RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक: 09 ता. 02 जुलाई 2022, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

सत्ता की लड़ाई 'तीर कमान' पर आई, असली शिवसेना किसकी? बड़ा सवाल बाकी

मुंबई। एकनाथ शिंदे ने जैसे ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली तो सत्ता संघर्ष पर तो लगभग विराम लगता नजर आया, लेकिन बड़ा सवाल अभी बाकी है। सवाल है कि असली शिवसेना किसकी है? उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाला गुट और शिंदे कैंप अपने-अपने दावे कर रहे हैं। वहीं, अब पार्टी के चिन्ह 'तीर और कमान' पर भी तनाव शुरू होने के आसार नजर आ रहे हैं। बहरहाल, यहां पूरा मामला चुनाव आयोग के हाथों में है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शिंदे कैंप चिन्ह पर दावा ठोकने की तैयारी करता नजर आ रहा है। वहीं, उद्धव खेमा भी बगैर लड़े हार नहीं मानेगा। दरअसल, शिवसेना पर दावा पेश करने के लिए पार्टी के सभी पदाधिकारियों, राज्य के विधायकों, सांसदों का समर्थन जरूरी है। केवल विधायकों की ज्यादा संख्या होना पार्टी को मान्यता दिलाने के लिए काफी नहीं है।

चुनाव आयोग की भूमिका

दोनों गुटों का आयोग तक पहुंचना जरूरी है। एक बार मामला चुनाव आयोग तक पहुंचा को इलेक्शन सिंबल (रिजर्वेशन एंड एलॉटमेंट) ऑर्डर 1968 के आधार पर फैसला लिया जाएगा। आम धारणा यह है कि दो तिहाई विधायकों का समर्थन पार्टी की मान्यता के लिए काफी है। जबकि ऐसा नहीं है। गुट को चिन्ह हासिल करने के लिए बड़े स्तर पर समर्थन हासिल करने की जरूरत है।

हमेशा के लिए करना होगा खत्म, कन्हैयालाल की हत्या पर सचिन पायलट का आक्रोश

लॉन्ड्रिंग मामले में आज श्वष्ठ के सामने पेश होंगे संजय राउत, पार्टी कार्यकर्ताओं से की यह अपील

क्या है प्रक्रिया

जब दो गुट चिन्ह के लिए दावा करते हैं, तो आयोग पहले दोनों खेमों को मिल रहे समर्थन की जांच करता है। इसके बाद श्वष्ट पार्टी के शीर्ष पदाधिकारियों और निर्णय लेने वाले पैनल की पहचान करता है और यह पता लगाता है कि पार्टी के कितने सदस्य गुट के साथ हैं। इसके बाद आयोग हर समूह के विधायकों और सांसदों की गिनती करता है। इन सभी बातों के मद्देनजर आयोग किसी एक गुट के पक्ष या दोनों के खिलाफ फैसला दे सकता है।

प्रक्रिया यही नहीं रुकती। आयोग पार्टी के चिन्ह को फ्रीज भी कर सकता है और दोनों धड़ों को नए नाम और चिन्ह के जरिए रजिस्ट्रेशन के लिए भी कह सकता है। ऐसे में अगर चुनाव नजदीक हैं, तो आयोग गुटों को अस्थाई चिन्ह चुनने को कहता है।

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाला गुट और शिंदे कैंप अपने-अपने दावे कर रहे हैं। वहीं, अब पार्टी के चिन्ह 'तीर और कमान' पर भी तनाव शुरू होने के आसार नजर आ रहे हैं। बहरहाल, यहां पूरा मामला चुनाव आयोग के हाथों में है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शिंदे कैंप चिन्ह पर दावा ठोकने की तैयारी करता नजर आ रहा है। वहीं, उद्धव खेमा भी बगैर लड़े हार नहीं मानेगा। दरअसल, शिवसेना पर दावा पेश करने के लिए पार्टी के सभी पदाधिकारियों, राज्य के विधायकों, सांसदों का समर्थन जरूरी है। केवल विधायकों की ज्यादा संख्या होना पार्टी को मान्यता दिलाने के लिए काफी नहीं है।

महाराष्ट्र, उत्तराखंड, अरुणाचल... सत्ता के लिए पैसे और बाहुबल का नग्न प्रदर्शन कर रही भाजपा-कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने भाजपा पर अनैतिक रूप से महाराष्ट्र की सत्ता हथियाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने राज्य में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को अस्थिर दिया। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा ने पैसे और बाहुबल के नग्न प्रदर्शन से राज्य सरकार पर कब्जा कर लिया है। बीजेपी किसी भी कीमत पर सीधे या रिमोट कंट्रोल से सत्ता हथियाना चाहती है। महाराष्ट्र में जो हुआ वह भारतीय लोकतंत्र के लिए शर्मनाक है। रमेश ने कहा कि 2014 से ही भाजपा का मुख्य ध्यान जनता की सेवा करने के बजाय राज्यों में चुनी हुई सरकारों को गिराने पर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यपालों, स्पीकर्स और प्रवर्तन निदेशालय व केंद्रीय जांच ब्यूरो जैसी एजेंसियों का खुले तौर पर दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा, विधायकों को खरीदना इतना आम हो गया है कि वित्त मंत्री ने आज जब खरीद-फरोख्त पर जीएसटी लगाने का सुझाव दिया तो उन्होंने सच उगल दिया। रमेश ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए धनबल के दुरुपयोग से लेकर ध्रुवीकरण और हिंसा तक जा सकती है। इन तमाम हथकंडों का इस्तेमाल करने के बावजूद अगर मतदाता उन्हें खारिज कर देते हैं तो वे चुनी हुई सरकारों को गिराने की साजिश रचने लगते हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने उत्तराखंड और अरुणाचल प्रदेश का जिक्र करते हुए कहा कि साल 2016 में भी बीजेपी ने इसी तरह उत्तराखंड में कांग्रेस की सरकार गिराई थी। पांच साल के लिए चुनी गई सरकार इंजीनियरिंग दलबदल से चार साल में अल्पमत में आ गई। उन्होंने आरोप लगाया कि उसी वर्ष अरुणाचल प्रदेश में भी यही खेल हुआ। मणिपुर में 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी 60 में से 28 सीटें जीतकर अकेली सबसे बड़ी पार्टी बन गई थी।

दिल्ली में प्रॉपर्टी खरीदना और बेचना हुआ महंगा, केजरीवाल सरकार ने सर्किल रेट पर छूट को किया खत्म

नई दिल्ली। दिल्ली में संपत्ति की खरीद फरोख्त आज यानि एक जुलाई से महंगी हो जाएगी। दिल्ली सरकार ने बीते एक साल से भी ज्यादा समय से सर्किल रेट पर दे रही 20 फीसदी की छूट वापस ले ली है। सरकार ने 30 जून तक के लिए छूट दी थी, जिसे अब आगे नहीं बढ़ाया है। अब एक जुलाई से दिल्ली में संपत्ति खरीद-फरोख्त के बाद पंजीकरण कराते हुए पुराने सर्किल रेट पर ही स्टांप शुल्क देना होगा।

राजस्व विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक सर्किल रेट पर दी जा रही छूट आगे नहीं बढ़ाई गई है। अब पुराने सर्किल रेट पर ही खरीद फरोख्त होगा। यह छूट तीनों तरह की आवासीय, व्यवसायिक व औद्योगिक संपत्तियों पर दी गई थी। सरकार ने सर्किल रेट नहीं बढ़ाने का फैसला एक दिन में नहीं लिया है। सरकार ने राजस्व विभाग के अधिकारियों से संपत्ति की खरीद फरोख्त को लेकर पूरा आकलन करने के बाद यह फैसला किया है।

सूत्रों की मानें तो सरकार ने पाया है कि अब स्थितियां सामान्य हो रही है। अर्थव्यवस्था भी पटरी पर लौट आई है तो छूट की जरूरत नहीं है। दरअसल दिल्ली सरकार ने पहली बार कोविड महामारी के चलते सुस्त अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने और संपत्ति बाजार को आगे बढ़ाने के लिए 1 अप्रैल 2021 से 30 सितंबर 2021 तक सर्किल रेट में 20 फीसदी छूट की घोषणा की थी।

लौट के उद्धव घर को आए... फिर बालासाहेब ठाकरे के फॉर्मूले पर ही काम के दिए संकेत

यह छूट सभी संपत्ति श्रेणी यानि आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक तीनों वर्गों में दी गई थी। उसे फिर 31 दिसंबर 2021 तक के लिए बढ़ा दिया गया था। राहत जारी रखने के लिए जनवरी 2022 से फिर दूसरी बार 30 जून 2022 तक के लिए इसे बढ़ाया था। कोविड के दौरान इस छूट का फायदा भी सरकार व लोगों को मिला था। सरकार ने वित्तीय वर्ष 2020-21 में संपत्ति पंजीकरण से 3552 हजार करोड़ का राजस्व कमाया था, वह अगले साल छूट देने के बाद 4997 हजार करोड़ हो गया।

कन्हैयालाल की तरह सूरत के युवराज को गला काटने की धमकी, मांगी पुलिस सुरक्षा

सूरत। उदयपुर के दर्जी कन्हैया लाल की हत्या को लेकर सोशल मीडिया पोस्ट लिखने पर गुजरात के सूरत में एक व्यक्ति को कथित तौर पर जान से मारने की धमकी मिली है। शख्स ने पुलिस से संपर्क किया है और मामले में एफआईआर दर्ज कराई है। आरोपी ने सूरत के रहने वाले युवराज पोखराना नामक शख्स को सिर काटने की धमकी दी है।

परिवार के लिए पोखराना ने मांगी सुरक्षा

पोखराना ने कहा कि उनके पूर्वज उदयपुर के रहने वाले हैं और वह दर्जी की हत्या से व्यथित हैं। पोखराना ने कहा कि उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट पर एक कॉमेंट किया था, जिसके बाद उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया और जान से मारने की धमकी दी गई। पोखराना ने कहा कि उन्होंने सूरत पुलिस से संपर्क किया है और एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने अपने परिवार के लिए पुलिस सुरक्षा की भी मांग की है।

एक कॉमेंट को लेकर मिल रहीं धमकियां!

पोखराज ने दावा किया, मैंने एक कॉमेंट

किया था कि एक समुदाय विशेष के लोगों द्वारा कन्हैयालाल की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। इससे उस समुदाय के कुछ लोग नाराज हो गए और उन्होंने मुझे जान से मारने की धमकी देना शुरू कर दिया। आपको बता दें कि सोमवार को उदयपुर शहर के धनमंडी क्षेत्र में कन्हैया लाल की दुकान में कस्टमर बनकर दो लोगों ने चाकू से गला काटकर उसकी हत्या कर दी। हत्यारों ने इस हत्या का वीडियो भी पोस्ट किया था और कहा था कि वह इस्लाम के अपमान का बदला ले रहे हैं। बाद में दोनों आरोपियों को राजसमंद से गिरफ्तार कर लिया गया था।

उदयपुर में हुई थी दर्जी की हत्या

दरअसल कन्हैया को कथित तौर पर पैगंबर मुहम्मद के खिलाफ 'अपमानजनक' टिप्पणी भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा के समर्थन में कथित पोस्ट के बाद से धमकियां मिल रही थीं। जान से मारने की धमकी मिलने के बाद कन्हैया ने पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई थी। पीड़ित कन्हैया के परिवार का आरोप है कि अगर पुलिस समय पर कार्रवाई करती तो उन्हें बचाया जा सकता था।

सिंगल यूज प्लास्टिक बैन, इन 19 चीजों पर लगी रोक; मार्केट जाने से पहले दें ध्यान

नई दिल्ली। प्लास्टिक की बर्बादी को कम करने के लिए केंद्र द्वारा चुनिंदा सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध आज से लागू हो गया है। सिंगल-यूज प्लास्टिक आमतौर पर ऐसी वस्तुएं होती हैं जिन्हें केवल एक बार इस्तेमाल करने के बाद फेंक दिया जाता है और रीसाइक्लिंग प्रक्रिया के लिए नहीं जाता है। प्लास्टिक प्रदूषण में इनका बड़ा योगदान है। राज्य सरकारें एक अभियान शुरू कर ऐसी वस्तुओं के निर्माण, वितरण, भंडारण और बिक्री से जुड़ी इकाइयों को बंद कराने की पहल करेंगी। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि प्रतिबंध का उल्लंघन करने पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके तहत जुर्माना, जेल की अवधि या दोनों शामिल हैं। अधिकारियों ने कहा कि प्रतिबंध को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। प्रतिबंधित एसयूपी वस्तुओं के निर्माण, आयात, भंडारण, वितरण, बिक्री और उपयोग की जांच के लिए विशेष प्रवर्तन दल गठित किए गए हैं। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को किसी भी प्रतिबंधित एसयूपी वस्तु की अंतरराज्यीय आवाजाही को रोकने के लिए सीमा चौकियां स्थापित करने का भी आदेश दिया गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने लोगों की मदद लेने के लिए एक शिकायत निवारण ऐप भी शुरू किया है। अधिकारियों ने कहा कि एफएमसीजी क्षेत्र में पैकेजिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध नहीं है, लेकिन इसे विस्तारित निर्माता उत्तरदायित्व (ईपीआर) दिशानिर्देशों के अंतर्गत रखा जाएगा। पिछले साल 12 अगस्त को इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई थी।

ये वस्तुएं शामिल -एसयूपी वस्तुओं में ईयरबड, गुब्बारे के लिए प्लास्टिक की छड़ें, झंडे, कैंडी स्टिक, आइसक्रीम स्टिक, पॉलीस्टाइनिन (थर्मोकोल), प्लेट, कप, गिलास, कांटे, चम्मच, चाकू, पुआल, ट्रे, निमंत्रण कार्ड,

6 जुलाई तक पूरे देश में होगी झमाझम बारिश, उमस भरी गर्मी से मिलेगी राहत

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम मानसून दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ कुछ हिस्सों में पहुंच गया। इससे लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली है। दिल्ली और चंडीगढ़ सहित कई हिस्सों में भारी बारिश हुई, जिससे सड़कें जलमग्न भी हो गईं। आईएमडी ने कहा है कि मानसून के 6 जुलाई तक पूरे देश में आने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने शुक्रवार को नई दिल्ली में मध्यम बारिश की चेतावनी देते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है मौसम विभाग ने कहा कि मौसमी बारिश पूरे उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर, राजस्थान के कुछ हिस्सों, पूरी दिल्ली, पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों और चंडीगढ़ में हुई। मॉनसून की उत्तरी सीमा अब दीसा, रतलाम, जयपुर, रोहतक, पठानकोट और जम्मू से होकर गुजरती है। मौसम विभाग ने बताया कि पंचकूला, कैथल, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, सोनीपत और यमुनानगर सहित हरियाणा के कई स्थानों पर भी भारी बारिश हुई। इस बीच अगले 24

घंटों में राजस्थान, पूरे पंजाब और हरियाणा के कुछ और हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं।

यूपी में पूरब से पश्चिम तक मानसून की झमाझम बारिश-मानसून ने पिछले 48 घंटों में पूरब से लेकर पश्चिम तक पूरे उत्तर प्रदेश को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। मानसून ने 'देर आए दुरुस्त आए' की कहावत को चरितार्थ करते हुए पूरे राज्य को अपनी फुहारों से तर कर दिया है। बिजनौर, लखीमपुर, वाराणसी, हरदोई जैसे जिलों में भारी वर्षा दर्ज की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले दो-तीन दिन भारी वर्षा होने की संभावना है। वहीं, कानपुर देहात में बुधवार की रात तेज हवा से गिरे खंभे से दबकर दो मासूमों की मौत हो गई। उधर लखीमपुर में कच्ची दीवार गिरने से बुजुर्ग की मौत हो गई।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिले भी भींगे

पश्चिम उत्तर प्रदेश के अधिकतर जिलों में भी गुरुवार को मानसून ने दस्तक दे दी है। मेरठ, बुलंदशहर, बिजनौर, शामली और सहारनपुर मे सुबह से ही बूंदाबांदी शुरू हो गई। मेरठ में मानसून की दस्तक के साथ ही सुबह छह से नौ बजे तक मात्र चार मिमी बारिश दर्ज की गई। 2021 की तुलना में मेरठ में मानसून की दस्तक कमजोर रही है। 2021 में पूरे जून में 143 मिमी बारिश रिकॉर्ड हुई थी जबकि 2022 में यह 47 दर्ज हुई है।

पंजाब पुलिस ने फेल की 7 हत्याओं की प्लानिंग, लॉरेंस-रिंदा गैंग के 11 बदमाश गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब में पुलिस ने गैंगस्टर कल्चर के खिलाफ है। खबर है कि पुलिस ने एक अंतरराज्यीय गैंग पर शिकंजा कसा है, जिसे लॉरेंस बिश्नोई और हरविंदर सिंह रिंदा का समर्थन हासिल है। खास बात है कि बिश्नोई पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड का मास्टरमाइंड है। वहीं, मोहाली में पुलिस के इंटेलीजेंस हेडक्वार्टर्स पर हुए हमले में रिंदा का नाम सामने आया था।

एडीजीजी एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स प्रमोद बान ने बताया कि गैंग के 11 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें 5 शूटर भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि जालंधर ग्रामीण पुलिस की तरफ से की गई कार्रवाई में 9 हथियार और 5 लूटे गए वाहन भी बरामद किए गए हैं।

बान के साथ मौजूद रहे जालंधर ग्रामीण एसएसपी स्वप्न शर्मा ने बताया कि यह समूह हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती, फिरौती, लूट और पड़ोसी राज्यों में ड्रग्स तस्करी में शामिल थे। उन्होंने कहा, %गिरफ्तारी के साथ पुलिस ने कम से कम 7 हत्याएं, पुलिस हिरासत से 2 भागने के प्रयास और चार डकैतियों को विफल कर दिया है। ADGP ने जानकारी दी कि शुरुआती जांच से पता चला है कि बिश्नोई गैंग को रिंदा के इशारों पर विक्रम बराड़ चला रहा

था। वह गोल्डी बराड़ का सहयोगी है। राजस्थान के हनुमानगढ़ में रहने वाला बराड़ बिश्नोई के साथ पढ़ता था और फिलहाल

एडीजीजी एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स प्रमोद बान ने बताया कि गैंग के 11 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें 5 शूटर भी शामिल हैं।

विदेश में है। 6 राज्यों की पुलिस उसकी तलाश कर रही है। वहीं, पुलिस के मुताबिक, रिंदा पाकिस्तान में है और इंटर सर्विसेज इंटेलीजेंस के साथ काम कर रहा है। बीते दो महीनों में जलंधर पुलिस ने जेल में बंद गैंगस्टर्स से जुड़े 32 लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही उनके कब्जे से 38 हथियार बरामद किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि इस गैंग की गिरफ्तारी से दोआबा क्षेत्र और खासतौर से जालंधर में अपराध की कमर टूट गई है।

ये हुए गिरफ्तार-इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, गिरफ्तार हुए लोगों की पहचान मोहम्मद यासीन अख्तर उर्म जैसी पुरेवाल, सागर सिंह, अमर मलिक, नवी, अंकुश सभरवाल उर्फ पाया, सुमित जसवाल उर्फ काकू, अमनदीप, शिव कुमार उर्फ शिवा, विशाल उर्फ फौजी, अन्नू उर्फ पहलवान के तौर पर हुई है। ये सभी हिस्ट्री शीटर्स हैं।

मुंबई में हुई मूसलाधार बारिश, अगले 24 घंटों के लिए भी भारी बारिश की चेतावनी

मुंबई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को मुंबई शहर और उसके उपनगरीय इलाकों में मध्यम से लेकर भारी बारिश की संभावना जताई है। इसके अलावा आईएमडी ने अगले 24 घंटों के दौरान मुंबई के अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी से अत्यधिक भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक मुंबई में बीते 24 घंटे की अवधि के दौरान 179.13 मिलीमीटर बारिश हुई, इसके बाद शहर के पश्चिमी उपनगरों में 140.58 मिलीमीटर जबकि पूर्वी उपनगरों में 109.06 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। अधिकारियों के मुताबिक बृहस्पतिवार रात शहर और उपनगरों के कई निचले इलाकों में जलभराव के कारण बुरी तरह प्रभावित हुई उपनगरीय ट्रेन सेवाओं का संचालन लगभग सामान्य हो गया है। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) जी-नॉर्थ वार्ड में सबसे अधिक 238 मिमी बारिश हुई। इस जी-नॉर्थ वार्ड में दादर, धारावी, माहिम और माटुंगा शामिल हैं। एक अधिकारी के मुताबिक वर्ली और लोअर परेल वाले जी-साउथ वार्ड में 208 मिमी बारिश हुई। आईएमडी के मुंबई स्थित कार्यालय ने शहर और उपनगरों में मध्यम से लेकर भारी बारिश की संभावना जताई है। इसके अलावा अगले 24 घंटों के लिए अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी से बेहद भारी बारिश की चेतावनी जारी की गयी है। मध्य रेलवे ने दावा किया है कि उपनगरीय ट्रेन सेवाएं निर्धारित समय के अनुसार चल रही थीं। मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिवाजी सुतार ने कहा कि सीएसएमटी-ठाणे और सीएसएमटी-वाशी खंडों के बीच बारिश के बावजूद कहीं भी पटरियों पर जलभराव नहीं हुआ और ट्रेनें अपने निर्धारित समय पर चल रही हैं।

अपने जन्मदिन पर अखिलेश यादव ने मेधावी छात्रों को लैपटॉप बांटा, भाजपा को चुनावी वादे की याद दिलाई

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार को युवाओं को लैपटॉप देने का उसका चुनावी वादा याद दिलाते हुए शुक्रवार को कहा कि बच्चों को स्कूटी भी मिलनी चाहिए। अपने जन्मदिन पर मेधावी छात्रों को लैपटॉप बांटने के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में अखिलेश यादव ने कहा, ''हम सत्ता में नहीं है, इसलिए कुछ ही बच्चों को लैपटॉप दिया गया है। लैपटॉप इसलिए दिया गया है ताकि इस सरकार को युवाओं को लैपटॉप देने का उसका चुनावी वादा याद दिलाया जा सके।'' उन्होंने कहा, ''राज्य सरकार ने 2017 में वादा किया था कि वह युवाओं को लैपटॉप देगी और इस बार (2022) भी इसने वादा किया है कि वह लैपटॉप देगी। बच्चों को स्कूटी भी मिलनी चाहिए।'' हाल में आजमगढ़ और रामपुर लोकसभा सीटों के उपचुनावों में सपा की हार के बाद यह अखिलेश यादव की पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस है। इन दोनों सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार विजयी हुए। सपा प्रमुख ने यह भी स्पष्ट किया कि वह आज केवल बच्चों को बधाई देने और लैपटॉप देने के लिए इस प्रेस कान्फ्रेंस में आए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह अपना जन्मदिन नहीं मनाते। जो लोग जन्मदिन मनाते हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि उनका एक साल कम हो जाता है।

कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ने पर लेह में मास्क पहनना हुआ अनिवार्य

लेह। लद्दाख में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों के अचानक बढ़ने के बीच प्रशासन ने केंद्र शासित प्रदेश के लेह जिले में लोगों के लिए मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया है। जिलाधिकारी श्रीकांत बालासाहेब सुसे द्वारा बृहस्पतिवार को जारी किए गए एक आदेशानुसार, कोरोनो वायरस संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए लेह में सार्वजनिक स्थानों पर लोगों के लिए मास्क पहनना अब अनिवार्य है। जिलाधिकारी ने बताया कि आदेश का उल्लंघन करने पर 500 रुपये का जुर्माना भरना होगा। अधिकारियों ने बताया कि लद्दाख में कोरोना वायरस के 22 नए मामले सामने आने के बाद केंद्र शासित प्रदेश में संक्रमण के मामले बढ़कर 28,411 हो गए। वहीं, बृहस्पतिवार को 11 मरीजों को संक्रमण से उबरने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। केंद्र शासित प्रदेश में अभी 78 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जिनमें से लेह में 77 और करगिल में एक उपचाराधीन मरीज है।

सिविल कोर्ट में पेशी के दौरान हुआ ब्लास्ट, कोर्ट परिसर में मची भगदड़

पटना। पटना में भीड़-भाड़ वालेदीवानी अदालत परिसर में शुक्रवार को एक देसी बम में विस्फोट हुआ। विस्फोट में एक पुलिस अधिकारी जख्मी हो गया। यह अधिकारी जांच के उद्देश्य से विस्फोटक को अदालत लेकर आया था। पीरबहोर थाने के प्रभारी (एसएचओ) सबी उल हक ने बताया कि उपनिरीक्षक की बांह में चोट आई है और वह खतरे से बाहर है। घटनास्थल इसी थाना क्षेत्र में आता है। थानेदार ने बताया, 'जख्मी उपनिरीक्षक उमाकांत राय कदम कुआं थाने में तैनात हैं उनके क्षेत्र में हाल में कुछ देसी बम जब्त किए गए थे और वे उन्हें सामान्य जांच प्रक्रिया के तहत अदालत लेकर लाए थे।' राय ने एक डिब्बे में बम रखे हुए थे जो उन्होंने सहायक अभियोजन अधिकारी के समक्ष रखे तभी उसमें विस्फोट हो गया। राहगीरों ने कहा कि शुरुआत में लगा कि विस्फोट टायर फटने की वजह से हुआ है जो इलाके में आम बात है। मगर उन्होंने जब राय को जख्मी हालत में देखा तो उन्हें पता चला कि क्या हुआ है। पीरबहोर थाने के प्रभारी हक ने बताया कि इस बात की जांच की जा रही है कि क्या बम को अदालत लाने से पहले ठीक तरह से निष्क्रिय किया गया था या नहीं।

शरद पवार के दावे वादे सब फेल सत्ता जाते ही नोटिस भी मिला

मुंबई । जून के अंतिम 10 दिनों में महाविकास अघाड़ी के हाथों से महाराष्ट्र की सत्ता चली गई। इस पूरे सियासी घटनाक्रम के मुख्य चेहरे एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे ही रहे। हालांकि, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार की भूमिका पर भी सभी की नजरें थी, लेकिन गुरुवार को शिंदे की मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ के साथ ही इस उम्मीद का भी अंत हो गया। पवार के दावों से लेकर वादे तक सभी असफल साबित हुए। हालात ऐसे बिगड़े कि सत्ता जाते ही आयकर विभाग का नोटिस भी आ गया और अब शिंदे के सहारे भारतीय जनता पार्टी की नजरें राकंपा प्रमुख के गढ़ सतारा पर भी टिक गई हैं। 23 जून, गुरुवार को पवार ने मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जहां अपने 'अनुभव' के आधार पर संकट से उबरने का भरोसा जताया। उन्होंने कहा सीएम उद्धव ठाकरे का समर्थन करने का फैसला किया है। मुझे भरोसा है कि एक बार विधायक मुंबई लौट आएंगे, तो हालात बदल जाएंगे।' उन्होंने कहा था, 'हमने महाराष्ट्र में ऐसे हालत कई बार देखें हैं। मेरे अनुभव से मैं यह कह सकता हूं कि हम इस संकट को हरा देंगे और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में यह सरकार आराम से चलेगी। 26 जून, रविवार को भी पवार ने कहा कि हम अंत समय तक ठाकरे का समर्थन करेंगे। साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि बागी विधायकों के नए गठबंधन की कोई खास महत्व नहीं है। शुरुआत में संकट को शिवसेना का आंतरिक मामला बताने वाले पवार लगातार एनसीपी की बैठकें करते रहे। खबरें आई थी कि उन्होंने दिल्ली का दौरा भी किया है। सत्ता परिवर्तन के अगले ही दिन पवार के पास आयकर विभाग का नोटिस पहुंच गया। साल 2004, 2009, 2014 और 2020 में चुनाव आयोग को दिए गए हलफनामों की जांच के बाद नोटिस जारी किए गए। हालांकि, राकंपा प्रमुख ने इसे 'लव लैटर' बताया है। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना भी साधा और कहा कि एजेंसी कुछ ही लोगों की जानकारी जुटा रही है।

शिवसेना 16 बागी विधायकों के खिलाफ याचिका पर 11 जुलाई को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

मुंबई । महाराष्ट्र में जारी सियासी गतिरोध के बीच शिवसेना 16 बागी विधायकों के खिलाफ एक नई अर्जी लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची है। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उन 15 बागी विधायकों को विधानसभा से निलंबित करने का अनुरोध करने वाली शिवसेना के मुख्य सचेतक सुनील प्रभु की याचिका पर 11 जुलाई को सुनवाई करेगा, जिनके खिलाफ अयोग्यता याचिकाएं लंबित हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला की अवकाशकालीन पीठ से आग्रह किया कि मुख्यमंत्री सहित 16 विधायकों के खिलाफ अयोग्यता की कार्यवाही लंबित होने के कारण याचिका पर तत्काल सुनवाई की आवश्यकता है। पीठ ने ताजा याचिका पर 11 जुलाई को सुनवाई करने पर सहमति जाहिर की है। उच्चतम न्यायालय ने 29 जून को महाराष्ट्र के राज्यपाल के उस निर्देश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार को बृहस्पतिवार को बहुमत साबित करने के लिये विधानसभा में शक्ति परीक्षण कराने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट में दायर की गई इस नई याचिका में शिवसेना ने मांग की है कि 16 बागी विधायकों का निलंबन किया जाए।

चुनाव आयोग ने जम्मू-कश्मीर में नवंबर-दिसंबर या फिर मार्च 2023 में हो सकते हैं विधानसभा चुनाव

श्रीनगर (एजेंसी)।

भारतीय चुनाव आयोग ने जम्मू-कश्मीर में इस वर्ष नवंबर-दिसंबर या फिर मार्च 2023 में विधानसभा चुनाव कराए जाने का संकेत दिया है। इसके लिए आयोग 31 अक्तूबर 2022 को जम्मू कश्मीर के मतदाताओं की सूची जारी करेगा। आयोग ने करीब 3 साल बाद जम्मू कश्मीर में मतदाता सूचियों के विशेष सारांश संशोधन का आदेश जारी किया है। पांच अगस्त 2019 को लागू जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम के तहत गठित जम्मू कश्मीर में परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह पहली मतदाता सूची होगी।

आयोग ने जम्मू कश्मीर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखकर 31 अक्तूबर को अंतिम मतदाता सूची को प्रकाशित करने से पूर्व विभिन्न प्रक्रियाओं को पूरा करने का निर्देश जारी किया है। संबंधित अधिकारियों ने बताया कि मतदाता सूची को अब साल में चार बार संशोधित और अपडेट किया जाएगा, ताकि 18 वर्ष की आयु सीमा वर्ग में शामिल होने वाला प्रत्येक नागरिक खुद को बतौर मतदाता पंजीकृत करा सके।

पुरानी व्यवस्था के मुताबिक, साल के पहले दिन या उससे पहले 18 वर्ष का होने वाला नागरिक ही मतदाता के तौर पर अपना नाम लिखवा सकता था। अब पहली जनवरी को या उससे पहले, पहली अप्रैल या उससे पहले, पहली जुलाई और पहली अक्टूबर को या उससे पहले 18 वर्ष का होने वाला प्रत्येक नागरिक बतौर मतदाता अपना पंजीकरण करा सकता है।

जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम के तहत गठित केंद्र शासित जम्मू कश्मीर प्रदेश में विधानसभा का गठन किया जाना है, लेकिन इससे पहले परिसीमन की प्रक्रिया को पूरा करना जरूरी था। यह प्रक्रिया पांच मई को पूरी हुई है। परिसीमन में जम्मू कश्मीर में सात नए विधानसभा क्षेत्र बने हैं, कई अन्य विधानसभा क्षेत्रों का स्वरूप बदला है। इसलिए मतदाता सूचियों में संशोधन, मतदान केंद्रों को तर्कसंगत बनान भी जरूरी है। वैसे भी जम्मू कश्मीर में वर्ष 2019 के बाद से मतदाता सूचियों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इसके कारण कई नए पात्र मतदाता अपना पंजीकरण नहीं करा पाए हैं। चुनाव आयोग ने जम्मू कश्मीर के निर्वाचन अधिकारी को मतदाता सूचियों में संशोधन और अपडेट करने की प्रक्रिया को निपटाने संबंधी भेजे गए पत्र में लिखा है फोटो मतदाता पहचानपत्रों का विशेष सारांश संशोधन 31 अक्टूबर तक पूरा कर लिया जाए और पहली अक्टूबर 2022 को 18 वर्ष की आयु सीमा वाले मतदाताओं के पंजीकरण को भी सुनिश्चित किया जाए।

प्रधानमंत्री मोदी चार जुलाई को आंध्र प्रदेश के भीमावरम और गुजरात के गांधीनगर का दौरा करेंगे

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को आंध्र प्रदेश स्थित भीमावरम का दौरा करेंगे, जिस दौरान वह महान स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू की 125वीं जयंती के अवसर पर वर्ष भर चलने वाले समारोहों की शुरूआत करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, मोदी सोमवार को गुजरात के गांधीनगर में 'डिजिटल इंडिया वीक 2022' का भी उद्घाटन करेंगे। बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री चार जुलाई को पूर्वाह्न करीब 11 बजे महान स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू की 125वीं जयंती पर वर्ष भर चलने वाले समारोहों की भीमावरम में शुरूआत करेंगे और इसके बाद वह गांधीनगर में 'डिजिटल इंडिया वीक 2022' का अपराह्न करीब साढ़े चार बजे उद्घाटन करेंगे। बयान में कहा गया है कि 'आजादी का अमृत महोत्सव'के तहत, सरकार स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को स्वीकार करने और देश भर के लोगों को उनके बारे में जागरूक करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी प्रयास के तहत, प्रधानमंत्री मोदी महान स्वतंत्रता सेनानी राजू की 125 वीं जयंती पर वर्ष भर चलने वाले समारोह की शुरुआत करेंगे और उनकी 30 फुट ऊंची कांस्य प्रतिमा का अनावरण भी करेंगे। चार जुलाई, 1897 को जन्मे राजू को पूर्वी घाट क्षेत्र में आदिवासी समुदायों के हितों की रक्षा के लिए अंग्रेजों के खिलाफ उनके संघर्ष के लिए याद किया जाता है। उन्होंने रम्पा विद्रोह का नेतृत्व किया था, जो 1922 में शुरू हुआ था। उन्हें स्थानीय लोग ''मन्यम वीरुडु'' (जंगलों का नायक) कहते हैं। सरकार ने साल भर चलने वाले समारोहों के तहत कई पहल करने की योजना बनाई है।

हिंदुत्व पर विश्वास नहीं करने वाली सरकारें देश में सुरक्षित नहीं: यशवंत सिन्हा

चेन्नई। (एजेंसी)।

विपक्ष की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने बृहस्पतिवार को कहा कि कोई भी सरकार जो संविधान पर एवं धर्मनिरपेक्षता पर विश्वास रखती है और हिंदुत्व पर नहीं,वह इस देश में सुरक्षित नहीं है। सिन्हा ने द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और उसके गठबंधन सहयोगियों की एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें (भारतीय जनता पार्टी को) महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री की ''ऊंची कुर्सी''हथियाने के लिए एक 'बलि का बकरा' मिल गया है। उन्होंने कहा, ''लेकिन यह क्या दिखाता है? यह दिखाता है कि केन्द्र की सत्तारूढ़ पार्टी और भारत सरकार को हमारे संविधान के संघीय ढांचे के प्रति कोई सम्मान नहीं है। ''

सिन्हा ने कहा, ''मैं महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी के नेता का भाषण सुन रहा था और वह लगातार हिंदुत्व की बातें कर रहे थे और कह रहे थे कि हमने इस सरकार को गिरा दिया क्योंकि वह हिंदुत्व पर विश्वास नहीं करती थी। इसका मतलब है कि कोई भी सरकार जो संविधान पर एवं धर्मनिरपेक्षता पर विश्वास रखती है और हिंदुत्व पर नहीं,वह इस देश में सुरक्षित नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''मेरा राष्ट्रपति पद के चुनाव में खड़े होने के लिए राजी होना केन्द्र सरकार और भाजपा की कथित ज्यादतियों के खिलाफ सतत संघर्ष है। 2014 तक मैं वित्त पर संसद की स्थाई समिति का प्रमुख था और परंपरा थी कि विपक्ष का कोई सदस्य इसका मुखिया होगा।

लेकिन अब सत्तारूढ़ दल का सदस्य समिति का प्रमुख है। यह अलग बात है कि वह मेरा बेटा (जयंत सिन्हा) है। लेकिन मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि यह गलत परंपरा है।'' सिन्हा ने यहां पहुंचने पर द्रमुक प्रमुख एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन से मुलाकात की और चुनाव में उनसे समर्थन देने का अनुरोध किया। सिन्हा के द्रमुक मुख्यालय 'अन्ना अरिवालयम' पहुंचने पर स्टालिन ने उनका स्वागत किया। स्टालिन ने वहां अपनी पार्टी और सहयोगी दलों की एक बैठक को संबोधित किया और उन्होंने पूर्व केन्द्रीय मंत्री को पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया। इस दौरान स्टालिन ने सिन्हा को 'प्रतिष्ठित व्यक्ति' बताया, वहीं एमडीएमके प्रमुख एवं राज्यसभा सदस्य वाइको ने कहा ,''हम सब आपके साथ हैं।''

शिवसेना का मुख्यमंत्री बना हैं, मैं नहीं मानूंगा क्योंकि जहां उद्धव ठाकरे वहां शिवसेना: संजय राउत

मुंबई (एजेंसी)।

महाराष्ट्र में चल रहा राजनीतिक गतिरोध गुरुवार को खत्म हो गया। लेकिन अभी भी एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में शुक्रवार को शिवसेना नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा कि मुझे सब पता है, पूरे देश को पता है कि राजनीतिक दबाव के कारण विरोधी पक्ष के नेताओं को परेशान किया जा रहा है. मुझे समन आया है, और मैं 12 बजे ईडी के सामने पेश होने जा रहा हूं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में शिवसैनिक आने वाले थे, लेकिन मैंने मना किया है उन्हें। साथ ही प्रदेश में नई सरकार बनने पर राउत ने बधाई दी। नई सरकार आई है,तब उसका स्वागत होता है. ये महाराष्ट्र की परंपरा है। एकनाथ शिंदे को हार्दिक शुभेक्षा है।

इसके अलावा राउत ने कहा कि देवेंद्र फडणवीस एकनाथ शिंदे के राइट हैंड हैं। शिंदे को काफी अनुभव है, राज्य को आगे ले जाएंगे। वहीं फडणवीस की नाराजगी के सवाल पर संजय राउत ने कहा कि जब तक मैं फडणवीस से बात नहीं करता, तब तक मैं नहीं बता पाऊंगा कि कि वहां खुश हैं, या नाराज। फडणवीस ने अपने पार्टी के आदेश का पालन किया है। बीजेपी में इससे पहले भी कई शिवसैनिक गए, लेकिन बीजेपी ने उनका स्वागत नहीं किया। मैं अभी नहीं मानूंगा कि शिवसेना का मुख्यमंत्री बना है, क्योंकि जहां उद्धव ठाकरे वहां शिवसेना है।

पंजाब में हर घर को मिलेगी 300 यूनिट फ्री बिजली वादा पूरा कर रही आप की सरकार: भगवंत मान

लुधियाना (एजेंसी)।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि उनकी सरकार राज्य के लोगों को दी गई 'गारंटी' को पूरा कर रही है। शुक्रवार से हर घर को हर महीने 300 यूनिट मुफ्त बिजली मिलेगी। आप सरकार ने इससे पहले एक जुलाई से हर घर को 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा, 'पिछली सरकारें चुनावों के दौरान वादे करती थीं। वादे पूरे होते-होते पांच साल बीत जाते थे लेकिन हमारी सरकार ने पंजाब के इतिहास में एक नई मिसाल कायम की है। आज हम पंजाबियों को दी गई एक और गारंटी को पूरा करने जा रहे हैं। आज से पंजाब के हर परिवार को हर महीने 300 यूनिट मुफ्त बिजली मिलेगी। 2022 के पंजाब विधानसभा चुनावों के दौरान आम आदमी पार्टी द्वारा किए गए प्रमुख वादों में से एक था, हर महीने हर घर में 300 यूनिट मुफ्त बिजली देना। आप नेता और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि पंजाब लोगों को मुफ्त बिजली मुहैया कराने वाला दिल्ली के बाद दूसरा राज्य बन गया है। उन्होंने कहा, ÷आज एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि पंजाब दिल्ली के बाद जीवन रेखा बिजली मुफ्त पाने वाला दूसरा राज्य बन गया है। पंजाबियों के लिए 'केजरीवाल दी पहली गारंटी' हकीकत बन गई है।' वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने 27 जून को आप-सरकार का पहला बजट पेश करते हुए कहा था कि 300 यूनिट मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने से सरकारी खजाने पर 1,800 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। चीमा ने कहा था, ÷आप सरकार 1 जुलाई से पंजाब के सभी नागरिकों को प्रति माह 300 यूनिट घरेलू बिजली आपूर्ति मुफ्त प्रदान करके पंजाब के लोगों को दी गई अपनी पहली गारंटी को पूरा कर रही है। इससे पंजाबियों को बड़ी राहत मिलेगी, जो अत्यधिक बिजली बिल के संकट से जूझ रहे हैं

शिक्षा ऋण न चुकाने पर 2 बहनों को निर्वस्त्र कर पीटने की घटना पर बोले कर्नाटक के मंत्री

हम सुनिश्चित करेंगे कि महिलाओं को न्याय मिले

बेंगलुरु। (एजेंसी)।

बेंगलुरु में एक इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। दो बहने शिक्षा ऋण चुकाने में सक्षम नहीं थी, तो उनके ही घर पर उनको निर्वस्त्र करके पीटा गया है। पूरे मामले पर कर्नाटक के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र की तरफ से भी बयान सामने आया है। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि अनेकल में कर्ज न चुकाने पर दो बहनों के निर्वस्त्र होने की घटना की जानकारी मुझे मिली है। शिकायत दर्ज कर ली गई है और जांच की जा रही है। हम सुनिश्चित करेंगे कि महिलाओं को न्याय मिले।

उदयपुर में टेलर कन्हैया लाल की निर्मम हत्या को लेकर अरागा ज्ञानेंद्र ने कहा कि उदयपुर की घटना से पूरा देश स्तब्ध था। जिम्मेदारों को फांसी दी जानी चाहिए। पता नहीं कितने लोग कट्टरपंथियों के लिए अपनी जान कुर्बान करने जा रहे हैं? घटना की सभी को निंदा करनी चाहिए। ऐसे कृत्य करने वालों का बहिष्कार किया जाना चाहिए। ऐसी घटनाएं अफगानिस्तान और अन्य इस्लामी देशों में देखी गईं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत में ऐसा हो रहा है। कहा जा रहा है कि इसके पीछे पाकिस्तान और दूसरे देश हैं। पुलिस को निर्देश दिया जा रहा है कि वह शिवाजीनगर और बेंगलुरु जैसे अन्य क्षेत्रों पर कड़ी नजर रखे।

क्या है पूरा मामला

पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार पीड़ितों में से एक ने नेरिगा गांव के निवासी रामकृष्ण रेड्डी से अपने बच्चों की शिक्षा के लिए 30 प्रतिशत की अत्याधिक ब्याज पर एक लाख रुपये का कर्ज लिया था। हालांकि उसे एक बार में ही पूरी राशि अदा करने के लिए कहा गया। गांव के लोगों ने दोनों पक्षों के बीच शांति समझौता करवा दिया। कहा गया कि जब वे अपनी जमीन बेच देंगे तो पीड़ित कर्ज की रकम अदा कर देगा। लेकिन इसके बावजूद आरोपी घर में घुस कर दो बहनों के साथ बेरहमी से मारपीट की और कपड़े उतारे। बाद में पीड़िता ने थाने का दरवाजा खटखटाया।

असम के बाढ़ग्रस्त इलाकों में लोगों के लिए आशा की किरण बने बचावकर्मी

गुवाहाटी। (एजेंसी)।

बाढ़ के कारण अपने घरों और कुछ मामलों में तो प्रियजनों को खो चुकी असम की बेसहाय आबादी के लिए चटक नारंगी रंग की जीवनरक्षक जैकेट पहने बचाव कर्मी आशा की इकलौती किरण हैं, जो उन्हें भोजन के पैकेट बांट रहे हैं। राज्य के 32 जिलों में करीब 86 लाख लोग इस साल भारी बारिश और उसके बाद आयी बाढ़ से प्रभावित हैं, जिससे कई हिस्सों में जनजीवन ठप पड़ गया है और 150 से अधिक लोग जान गंवा चुके हैं।

बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित शहरों में से एक सिलचर में मधुमेह से पीड़ित 68 वर्षीय मंजूरानी नाथ अपने बीमार पति के साथ बाहर निकलने का रास्ता तलाश रही होती है कि तभी एनडीआरएफ कर्मी उनकी मदद के लिए पहुंचते हैं। नाथ के घर में बाढ़ का पानी घुस गया है। उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ कर्मियों ने लंबे इंतजार के बाद उन्हें भोजन और अन्य सुविधाएं मुहैया करायी जो 'स्वर्ग से मिले अन्न' से कम नहीं है। असम में आयी अभूतपूर्व बाढ़ से कई इलाके, गांव जलमग्न हो गए हैं और फसलें तथा इमारतें क्षतिग्रस्त हो गयी हैं। लोअर असम के बारपेटा जिले में रुपाकुची गांव में सबेरा बेगम और पांच लोगों के उनके परिवार का ज्यादातर सामान बाढ़ में बह गया है लेकिन उन्होंने संकट के इस समय में एक-दूसरे का हाथ थाम रखा है। उन्होंने कहा, ''हमें कोई खरोंच या चोट आए बिना बाहर निकलने का मौका मिला जो किसी चमत्कार से कम नहीं है और इसके लिए बचावकर्मियों का शुक्रिया अदा।''

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), सेना और अर्द्धसैन्य बलों के कर्मियों ने पुलिसकर्मियों, दमकल अधिकारियों और प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की मदद से ब्रह्मपुत्र और बराक नदी के बाढ़ से प्रभावित इलाकों से पिछले हफ्तों में कुल 97,993 लोगों को बचाया है। एनडीआरएफ की पहली बटालियन के सहायक कमांडेंट संतोष सिंह ने कहा कि उसके कर्मी बाढ़ग्रस्त राज्य के संवेदनशील जिलों में अहम स्थानों पर तैनात हैं। उन्होंने बताया कि अभी असम में एनडीआरएफ के 22 दल तैनात हैं, जिनमें से नौ दल सिलचर में हैं। उन्होंने कहा, ''कुछ प्रभावित जिलों में रात भर चलने वाले अभियानों में प्रभावित लोगों को बचाने के लिए 600 प्रशिक्षित कर्मी तैनात हैं। 20,000 से अधिक लोगों को बचा लिया गया है और नौ को डूबने से बचाया गया है।'' सिंह ने बताया कि बचाव कर्मियों के साथ एक चिकित्सा दल ने गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों समेत प्रभावित लोगों को 'अस्पताल ले जाने से पूर्व का उपचार' मुहैया कराया। उन्होंने कहा, ''कई

चुनौतियां हैं, खासतौर से पानी के तेज बहाव और अचानक आयी बाढ़ को देखते हुए। हमारे दलों का मनोबल ऊंचा है। वे लोगों को बचाने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं और कई बार तो अपनी जान भी जोखिम में डाल रहे हैं।'' भारतीय वायु सेना ने प्रभावित इलाकों में भोजन के पैकेट, पीने के पानी की बोतलें और अन्य आवश्यक सामान गिराए हैं। उसने सिलचर में कम से कम 300 लोगों को हवाई मार्ग से निकाला और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर लेकर गयी।

खुल गई चीन की पोल, उइगर मुस्लिमों को बताया शत्रु वर्ग, लीक हुए दस्तावेज

बीजिंग। चीन में उइगर मुस्लिमों के साथ काफी शोषण हो रहा है। खबरों के मुताबिक, चीन के नजरबंदी शिविरों से एक दस्तावेज लीक हो गया है जिसमें खुलासा हुआ है कि चीन की सरकार उइगर मुस्लिमों के खिलाफ नरसंहार और अपराध जैसी योजना बनाती है। यह दस्तावेज शिनजियांग उइगर बहुसंख्यक क्षेत्र के शिविरों से मिले है। पुलिस फाइल के दस्तावेज लीक होने के बाद चीन की पोल खुल चुकी है। वहीं रेडियो फ्री एशिया ने भी लगभग 20 हजार से ज्यादा उइगर मुस्लिमों को हिरासत में लेने की जानकारी दी है। इन लीक दस्तावेजों में न केवल उइगर मुस्लिमों के प्रताड़ित करने की जानाकरी मिली है बल्कि शिनजियांग उइगर क्षेत्र में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के पूर्व सचिव चेन क्वांगुओ का एक भाषण भी मिला है। जिसमें वह कहते नजर आ रहे हैं कि कैसे चीन सरकार की उइगर मुस्लिमों की आबादी को खत्म करने की योजना थी। चीन सरकार शिनजियांग में अपराधियों पर नकेल कसने का काम जोरो-शोरों से कर रही है। पूर्व सचिव चेन क्वांगुओ ने अपने भाषण में उइगर मुस्लिमों को शत्रु वर्ग बताया है और उन्होंने शिनजियांग पर शासन करने की राष्ट्रपति शी जिनपिंग की रणनीति का भी जिक्र किया। पुलिस फाइलों के लीक दस्तावेजों के मुताबिक, चीनी सरकार भी उइगर मुस्लिमों को आतंकवाद, हिंसा और इस्लामी गतिविधियों के अतिवाद से ग्रस्त मानती है।

जैक्सन ने शपथ ली, अमेरिका के उच्चतम न्यायालय में पहली अश्वेत महिला न्यायाधीश बनीं

वाशिंगटन। अमेरिका में केतनजी ब्राउन जैक्सन ने उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश के तौर पर शपथ ली। इसके साथ ही वह देश की शीर्ष अदालत में पहली अश्वेत महिला न्यायाधीश भी बन गईं। 51 वर्षीय जैक्सन अदालत की 116वीं न्यायाधीश हैं और उन्होंने बृहस्पतिवार को उस न्यायाधीश की जगह ली, जिसके लिए उन्होंने कभी काम किया था। न्यायमूर्ति स्टीफन ब्रेयर आज सेवानिवृत्त हुए। कुछ देर बाद जैक्सन ने उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के लिए आवश्यक दो शपथ लीं, एक ब्रेयर द्वारा दिलाई गई जबकि दूसरी मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स द्वारा दिलाई गई। अदालत द्वारा जारी एक बयान में जैक्सन ने कहा, ''पूरे दिल से, मैं अमेरिका के संविधान का समर्थन करने और रक्षा करने तथा बिना किसी डर या पक्षपात के न्याय करने की गंभीर जिम्मेदारी स्वीकार करती हूं, इसलिए ईश्वर मेरी मदद करें। मैं अपने सभी नए सहयोगियों को उनके गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए तहे दिल से धन्यवाद देती हूं।'' रॉबर्ट्स ने जैक्सन का ''अदालत में का स्वागत किया।'' समारोह का अदालत की वेबसाइट पर सीधा प्रसारण किया गया। जैक्सन, 2013 से एक संघीय न्यायाधीश थीं। वह तीन अन्य महिला न्यायाधीशों में शामिल होंगी जिनमें सोनिया सोतोमेयर, एलीना कगन और एमी कोनी बैरेट शामिल हैं। पहली बार चार महिलाएं नौ सदस्यीय अदालत में एकसाथ काम करेंगी।

फिनलैंड और स्वीडन को पुतिन की धमकी, सीमा पर विदेशी सैनिकों की तैनाती ना हो

वॉशिंगटन । अमेरिकी सहयोगी नाटो ने फिनलैंड और स्वीडन को सैन्य संगठन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। इसके बाद रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने फिनलैंड और स्वीडन को सीमा पर विदेशी सैनिकों की तैनाती ना करने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा हुआ, तब रूस इसका करारा जवाब देगा। हालांकि, पुतिन ने कहा अगर स्वीडन और फिनलैंड नाटो में शामिल होते है, तब उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। पुतिन ने मध्य एशियाई पूर्व सोवियत राज्य तुर्कमेनिस्तान में क्षेत्रीय नेताओं के साथ बातचीत के बाद कहा कि अगर हमारी सीमाओं पर विदेशी सेना और हथियारों की तैनाती हुई, तब हम इसका करारा जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर विदेशी सेना की तैनाती हमारे लिए खतरे का कारण बन सकती है। इसकारण हमें इसके लिए तैयार रहना होगा। पुतिन ने कहा कि पड़ोसी देशों को समझना चाहिए कि पहले इससे हमे कोई खतरा नहीं था, लेकिन अब हम उन क्षेत्रों के लिए खतरे पैदा करने वाले हैं, जहां से रुस को खतरा होगा।

शोध में खुलासा, जिनका वजन कम उन पर कोरोना टीके का असर कम

वाशिंगटन। कोरोना टीके को लेकर किए गए शोध में सुखद खबर सामने आई है। शोध के अनुसार कोरोना रोधी टीके हर मरीज को गंभीर रूप से बीमार होने से बचाते हैं, फिर चाहे उनके शरीर का वजन कितना ही क्यों न हो। इंग्लैंड में 90 लाख वयस्कों पर हुए अध्ययन में यह निष्कर्ष निकल कर सामने आया है, जिस प्रकाशित किया गया। शोध में शोधकर्ताओं ने पाया कि टीका उन लोगों पर उतना ही प्रभावी था, जिनका शरीर द्रव्यमान सूचकांक (बीएमआई) अधिक था और वजन भी अधिक था। हालांकि कम वजन वाले समूह में इसका प्रभाव थोड़ा कम देखा गया। शोधकर्ताओं ने कहा कि वैक्सिनेश ले चुके लोगों के विश्लेषण में यह पता चला कि कोरोना के कुछ मामलों में बहुत कम और बहुत अधिक बीएमआई वाले लोगों के, टीके की खुराक ले चुके स्वस्थ वजन वाले लोगों की तुलना में गंभीर रूप से बीमार पड़ने की आशंका अधिक थी। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की कार्मेन पियरनास ने कहा, हमारे नतीजे ये सबूत मुहैया कराते हैं कि कोरोना टीके सभी वजन वाले लोगों की जान बचाते हैं। हमारे नतीजे मोटापे से ग्रसित लोगों को आश्वासन देते हैं कि कोविड-19 रोधी टीके उन पर भी कम बीएमआई वाले लोगों की तरह ही प्रभावी हैं और टीकाकरण के बाद उनके कोरोना वायरस से संक्रमित होने पर गम्भीर रूप से बीमार पड़ने का खतरा कम हो जाता है।

सनकी तानाशाह का दावा, उत्तर कोरिया का पहला कोविड केस एलियन ने फैलाया

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन अपने अजीब फैसलों और बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। किम ने कोरोना को लेकर ऐसा दावा और लॉजिक दिया कि आप अपना सिर पकड़ लें। तानाशाह ने दावा किया है कि देश में पहला कोविड केस एलियन ने फैलाया है। तानाशाह ने अपने दावे में कहा है कि दक्षिण कोरिया की सीमा के पास से एलियंस ने गुब्बारें में वायरस भरकर फेंका था। जिससे उनके देश में कोरोना वायरस फैला।
रिपोर्ट के मुताबिक, किम जोंग का कहना कि जांच के बाद पाया गया है कि गुब्बारों में वायरस भरकर एलियंस ने द.कोरिया की सीमा के पास से उसके देश में कोरोना वायरस को फैलाया है। वहीं, अपने जांच परिणामों की घोषणा करने के बाद उत्तर कोरिया ने 'सीमा रेखा और सीमाओं के साथ के क्षेत्रों में हवा और अन्य जलवायु घटनाओं और गुब्बारों से आने वाली विदेशी चीजों से सतर्कता से निपटने का आदेश दिया है। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया के मुताबिक, उत्तर कोरिया ने कहा है, '18 साल का एक सैनिक और पांच साल का एक किंडरगार्टनर अप्रैल की शुरुआत में कुमगांग के पूर्वी काउंटी में बैरकों और आवासीय क्वार्टरों के आसपास अज्ञात सामग्रियों के संपर्क में आए थे। उसके बाद ही उनमें कोरोना के लक्षण दिखाई देने शुरू हुए थे। फिर पूरे देश में देखते ही देखते कोरोना विस्फोट हो गया। सरकारी मीडिया ने कहा, जांच के परिणामों से पता चला है कि अप्रैल के मध्य में कांगवोन प्रांत के कुमगांग काउंटी के इफो-री के क्षेत्र से राजधानी शहर में आने वाले कई व्यक्ति बुखार से संक्रमित थे और उनके संपर्कों में बुखार के मामलों में तेज वृद्धि देखी गई थी।

केतनजी ब्राउन जैक्सन ने अमेरिका की पहली अश्वेत महिला न्यायाधीश के रुप में शपथ ली

वॉशिंगटन । अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में केतनजी ब्राउन जैक्सन ने न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। इसके साथ ही जैक्सन अमेरिका की पहली अश्वेत महिला न्यायाधीश भी बन गई हैं। अप्रैल में सीनेट में हुए वोटिंग में जज केतन जी ब्राउन जैक्सन के समर्थन में 53 में से 47 वोट पड़े थे। 51 वर्षीय जैक्सन न्यायालय की 116वीं न्यायाधीश हैं। न्यायमूर्ति स्टीफन ब्रेयर कल सेवानिवृत हुए, जिसके बाद जैक्सन ने बतौर न्यायाधीश शपथ ली। जैक्सन ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के लिए आवश्यक दो शपथें ली, एक सेवानिवृत्त जज स्टीफन ब्रेयर द्वारा दिलाई गई, वहीं दूसरी शपथ मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने दिलाई। न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने जैक्सन का स्वागत किया।
न्यायालय द्वारा जारी बयान में जैक्सन ने कहा मैं पूरे दिल से अमेरिका के संविधान का समर्थन करने,रक्षा करने, तथा बिना किसी डर या पक्षपात के न्याय करने की गम्भीर जिम्मेदारी को स्वीकार करती हूँ, इसलिए ईश्वर मेरी मदद करें। मैं अपने सभी नए सहयोगियों को उनके गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए तहे दिल से धन्यवाद देती हूं। जैक्सन 2013 से एक संघीय न्यायाधीश थी। वह उच्चतम न्यायालय में तीन अन्य महिला न्यायाधीशों में शामिल होंगी जिनमें सोनिया सोतोमेयर, एलीन कगन, और एमी कोई बैरेट शामिल हैं। यह पहला ऐसा अवसर है जब चार महिलाएं नौ सदस्यीय अदालत में एक साथ काम करेंगी।

वाशिंगटन में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के बाहर गर्भपात कानून को लेकर प्रदर्शन करते हुए लोग।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री जॉनसन न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री अर्डर्न की लंदन में करेंगे मेजबानी

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन शुक्रवार को लंदन में न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न की मेजबानी करेंगे और इस दौरान दोनों नेता सुरक्षा एवं द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने पर वार्ता करेंगे। इससे पहले, दोनों नेताओं ने इस सप्ताह मैड्रिड में उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के शिखर सम्मेलन में भाग लिया था। जॉनसन के कार्यालय ने बताया कि वह और अर्डर्न हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा चुनौतियों और यूक्रेन की स्थिति पर चर्चा करेंगे। वे ऑनलाइन दुष्प्रचार से निपटने और द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को गहरा करने पर भी बातचीत कर सकते हैं। इसके साथ ही वे वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करने के नए उपायों पर भी सहमति जता सकते हैं।

जी-20 के नेताओं की जम्मू-कश्मीर में आयोजित होने वाली बैठक का विरोध करेगा चीन

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन ने जी-20 के नेताओं की अगले साल होने वाली बैठक जम्मू-कश्मीर में आयोजित करने की भारत की योजनाओं की खबरों पर विरोध जताकर अपने करीबी सहयोगी पाकिस्तान के स्वर में स्वर मिलाकर कहा कि संबंधित पक्षों को मुद्दे को राजनीतिक रंग देने से बचना चाहिए। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने कहा, हमने ताजा घटनाक्रम का संज्ञान लिया है.''

उन्होंने कहा, कश्मीर पर चीन का रुख सतत और बिल्कुल स्पष्ट है। यह भारत और पाकिस्तान के बीच पहले से चला आ रहा मुद्दा है। संयुक्त राष्ट्र के चार्टर, सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और द्विपक्षीय सहमतियों के अनुरूप इसका उचित समाधान निकालना चाहिए। झाओ ने कहा, संबंधित पक्षों को एकपक्षीय कदम के साथ हालात को जटिल बनाने से बचना चाहिए। हमें बातचीत और संवाद से विवादों का समाधान करने के प्रयास करने चाहिए ताकि क्षेत्रीय शांति तथा स्थिरता कायम रहे। उन्होंने कहा कि जी-20 अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए प्रमुख मंच है। उन्होंने कहा, हम सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं का आह्वान करते हैं कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के सतत रूप से उबरने पर ध्यान दें, इस प्रासंगिक मुद्दे को राजनीतिक रंग देने से बचें और वैश्विक आर्थिक शासन को सुधारने के लिए सकारात्मक योगदान दें।

क्या जी-20 समूह के सदस्य के नाते चीन बैठक में भाग लेगा, इस प्रश्न के उत्तर में झाओ ने कहा, ''हम बैठक में शामिल होंगे या नहीं, इस बारे में विचार करने वाले हैं। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के विवादित क्षेत्र में चीन द्वारा चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का निर्माण और इस पर भारत की आपत्ति के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''दोनों मामले बिल्कुल अलग प्रकृति के हैं। चीन ने पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था का विकास करने और वहां के लोगों की आजीविका सुधारने के लिए परियोजनाएं संचालित की हैं। उन्होंने कहा, ''कुछ परियोजनाएं कश्मीर के उस हिस्से में हैं, जो पाकिस्तान के नियंत्रण में है। परियोजनाएं चलाने वाली संबंधित चीनी कंपनियां स्थानीय लोगों की मदद के उद्देश्य से यह करती हैं, ताकि उनकी अर्थव्यवस्था में विकास और आजीविका में सुधार हो सके। झाओ ने कहा, ''इससे कश्मीर के मुद्दे पर हमारे रुख पर कोई असर नहीं पड़ा है।

पाकिस्तान ने कहा था कि कश्मीर में जी-20 के देशों की बैठक के आयोजन के भारत के प्रयास को खारिज कर उम्मीद करता है कि समूह के सदस्य देश कानून एवं न्याय के अनिवार्य तत्वों का पूरी तरह संज्ञान लेते हुए इस प्रस्ताव का स्पष्ट विरोध करने वाले हैं। जम्मू कश्मीर 2023 में जी-20 की बैठकों की मेजबानी करेगा। इस प्रभावशाली समूह में विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं।

गर्भपात पर न्यायालय का फैसला 'अस्थिर' करने वाला: बाइडन

मैड्रिड (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने गर्भपात के संवैधानिक अधिकार को समाप्त करने के उच्चतम न्यायालय के फैसले को ''अस्थिर'' करने वाला करार दिया। उन्होंने साथ ही कहा कि यह विश्व मंच पर अमेरिका की स्थिति को प्रभावित नहीं करता। मैड्रिड में नाटो सहयोगियों और बवेरियन आल्प्स में सात बड़ी लोकतांत्रिक अर्थव्यवस्थाओं के समूह के नेताओं के साथ चर्चा से जुड़ी पांच दिवसीय विदेश यात्रा के समापन पर बाइडन पत्रकारों से बात कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने शुक्रवार को आए उच्चतम न्यायालय के आदेश का जिक्र किया जिसमें महिलाओं के लिए गर्भपात को संवैधानिक अधिकार बनाने वाले 50 साल पुराने 'रो बनाम वेड' फैसले को पलट दिया गया था। बाइडन ने कहा, अमेरिका दुनिया का नेतृत्व करने के लिए पहले से बेहतर स्थिति में है। लेकिन एक चीज जो अस्थिर कर रही है, वह है अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय का अपमानजनक व्यवहार, जिसने न केवल रो बनाम वेड फैसले को खारिज किया बल्कि अनिवार्य रूप से निजता के अधिकार को भी चुनौती दी। उन्होंने कहा, मैं समझ सकता हूं कि उच्चतम न्यायालय ने जो किया उससे अमेरिकी लोग निराश क्यों हैं। बाइडन ने कहा कि वह सीनेट के बाधाकारी नियमों को बदलने का समर्थन करेंगे, जिसमें अधिकतर कानूनों को पारित करने के लिए 60 वोट की आवश्यकता होती है, ताकि देशव्यापी गर्भपात सुरक्षा को साधारण बहुमत से पारित करने के लिए एक विधेयक लाया जा सके। तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन में बाइडन प्रशासन ने यूरोप में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति को स्थायी रूप से मजबूत करने की योजना की घोषणा की।

मंगल ग्रह पर जीवन की संभावना को तलाशने के लिए नासा का मिशन, आप भी कर सकते हैं मदद

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

चांद और मंगल से जुड़ी जानकारियां हमेशा से ही वैज्ञानिकों और हमारे लिए दिलचस्प रही हैं। मंगल ग्रह पर जीवन की संभावना को तलाशने के लिए दुनियाभर की स्पेस एजेंसियां अपने मिशन चला रही हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और चीन की स्पेस एजेंसी इसमें सबसे आगे हैं। नासा के वैज्ञानिक मंगल ग्रह के वायुमंडल से जुड़ा एक रहस्य सुलझाने में जुटे हैं। खास बात यह है कि इसमें आप भी उनकी मदद कर सकते हैं।

इसके लिए नासा ने अपने सिटीजन साइंस प्लेटफॉर्म जूनिवर्स पर एक प्रोजेक्ट ऑर्गनाइज किया है। 'क्लाउडस्पॉटिंग ऑन मार्स नाम के प्रोजेक्ट में लोगों को मंगल ग्रह पर बादलों की पहचान करने का मौका मिलता है। नासा का मानना है कि लोगों ने लिए उन्हें आंखों से पहचानना आसान है।

माना जाता है कि अरबों साल पहले मंगल पर झीलें और नदियां हुआ करती थीं। उस समय मंगल ग्रह का वातावरण मोटा था। वैज्ञानिक समझना चाहते हैं कि वक्त के साथ

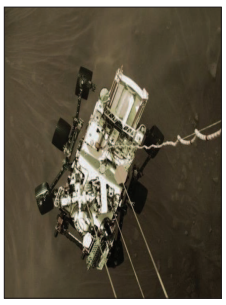

ग्रह ने अपना वातावरण कैसे गंवा दिया। अगर आप नासा के वैज्ञानिकों की इस प्रोजेक्ट में मदद करना चाहते हैं या खगोलविज्ञान में दिलचस्पी रख सकते हैं, तब इस लिंक पर क्लिक करके प्रोजेक्ट को जॉइन कर सकते हैं। मंगल ग्रह पर बादलों की पहचान करने और उन्हें टटोलने के लिए नासा के पास 16 साल का डेटा है। इस डेटा को मार्स रीकानिसन्स ऑर्बिटर ने जुटाया है। यह साल 2006 से मंगल ग्रह पर स्टडी कर रहा है। इस ऑर्बिटर के इंस्ट्रूमेंट ने मंगल की कई तस्वीरें ली हैं। इनमें बादल आर्च की तरह दिखाई देते हैं। नासा की टीम इन आर्च को चिह्नित करने के लिए पब्लिक की मदद ले रही है।

शी चिनफिंग ने हांगकांग के लिए 'एक देश, दो प्रणाली' नीति का किया बचाव, अमेरिका पर दिया बयान

हांगकांग। (एजेंसी)।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने हांगकांग के लिए अपनी ''एक देश, दो प्रणाली'' नीति का शुक्रवार को बचाव करते हुए अमेरिका, ब्रिटेन और अन्य देशों के उन आरोपों का खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया है कि चीन ने इस नीति के जरिए 50 वर्ष के लिए हांगकांग को स्वतंत्रता एवं स्वायत्तता देने के वादे को कमजोर किया है। हांगकांग को चीनी शासन को सौंपने की 25वीं वर्षगांठ के मौके पर चिनफिंग बृहस्पतिवार को यहां पहुंचे। ब्रिटेन ने एक जुलाई, 1997 को हांगकांग चीन को लौटा दिया था। कोरोना वायरस के प्रकोप के कारण करीब ढाई साल बाद शी हांगकांग की यात्रा पर आए हैं। इस मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में शी ने कहा, '' एक देश, दो प्रणाली'' की नीति ने सार्वभौमिक रूप से सफलता प्राप्त की है।

यह नीति हांगकांग को उसके स्वयं के कानून और अपनी सरकार बनाने का अधिकार देती है। शी ने कहा, '' इस तरह की सफल व्यवस्था को बदलने के लिए कोई वजह मौजूद नहीं है, बल्कि इसे लंबे समय तक कायम रखना चाहिए।'' उनका यह बयान हांगकांग के लोगों को आश्वस्त करने का एक प्रयास प्रतीत होता है कि 50 वर्ष के बाद भी हांगकांग की स्वतंत्रता कायम रहेगी। उन्होंने आगाह किया कि हांगकांग के मामलों में विदेशी हस्तक्षेप या देशद्रोहियों के

प्रति कोई सहिष्णुता नहीं बरती जाएगी। उन्होंने कहा कि '' राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा और विकास के हितों की रक्षा करना'' सर्वोच्च प्राथमिकता है। शी ने कहा, '' दुनिया को कोई भी देश या क्षेत्र विदेशी या देशद्रोही ताकतों को सत्ता पर कब्जा करने की अनुमति नहीं देगा।'' शी आखिरी बार इस खास दिन का जश्न मनाने एक जुलाई 2017 को हांगकांग आए थे। चिनफिंग के नेतृत्व में, चीन ने विरोध प्रदर्शनों पर नकेल कसने और असंतोष को शांत करने के लिए सख्त राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू करने, स्कूलों में 'देशभक्ति' संबंधी पाठ्यक्रम शुरू करने और चुनाव कानूनों में बदलाव करने समेत हांगकांग में कई बदलाव किए हैं। इससे पहले, शी ने इस खास मौके पर जॉन ली को हांगकांग के नए नेता के रूप में शुक्रवार को शपथ दिलाई। ली, एक पूर्व सुरक्षा अधिकारी हैं। शहर में 2019 के लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनों के बाद से असंतोष जताने वाली घटनाओं पर कार्रवाई उनकी निगरानी में ही की गई।

ली ने शपथ ग्रहण करते हुए शहर के लघु-संविधान, मूल कानून को बनाए रखने और हांगकांग के प्रति निष्ठा रखने का संकल्प किया। उन्होंने चीन सरकार के प्रति जवाबदेह रहने का भी संकल्प किया। ली ने शपथ ग्रहण समारोह से पहले सुबह हांगकांग को चीनी शासन को सौंपने की 25वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित ध्वजारोहण समारोह में भी हिस्सा लिया था। इस कार्यक्रम में शी चिनफिंग, शहर की निवर्तमान नेता कैरी लैम सहित कई अन्य लोगों ने शिरकत की थी। ध्वजारोहण समारोह तेज हवाओं के बीच आयोजित किया गया और चीन तथा हांगकांग के झंडे लाने वाले पुलिस अधिकारियों ने ब्रिटिश शैली के मार्च की जगह चीनी 'गूज़-स्टेपिंग' शैली में मार्च किया।

टीटीपी और पाकिस्तान के बीच शांति समझौता खतरे में

-टीटीपी सरगना मुफ्ती नूर वली महसूद ने दी यह चेतावनी

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) सरगना मुफ्ती नूर वली महसूद ने चेतावनी दी है कि उनका संगठन शांति समझौते से पीछे हट सकता है। टीटीपी के प्रमुख महसूद ने एक इंटरव्यू के दौरान ये बात कही। टीटीपी की इस चेतावनी के बाद पाकिस्तान और आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के बीच हुआ शांति समझौता खतरे में पड़ गया है। पाकिस्तान सरकार ने पूर्ववर्ती संघीय प्रशासित कबायली क्षेत्रों के खैबर पख्तूनख्वा में विलय वाली योजना से पीछे हटने से इनकार कर दिया है। मालूम हो कि पाकिस्तान और टीटीपी के बीच तालिबान की मध्यस्थता से दूसरी बार सीजफायर पर सहमति बनी थी। तब टीटीपी ने शर्त रखी थी कि पाकिस्तान किसी भी हाल में एफएटीए का विलय नहीं करेगा और उसकी पुरानी पहचान को बरकरार रखेगा।यूट्यूब पर अपलोड किए गए एक इंटरव्यू में टीटीपी सरगना मुफ्ती नूर वली महसूद ने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी सुरक्षा बल लगातार उनके लड़ाकों की धरपकड़ के लिए अभियान चला रहे हैं। इससे अफगानिस्तान में जारी शांति वार्ता पर असर पड़ रहा है। मुफ्ती नूर वली महसूद ने इस्लामाबाद की हथियार डालने और संविधान को स्वीकार करने की मांग का जिक्र करते हुए कहा कि शांति वार्ता के दौरान सिर्फ उन्हीं मांगो को स्वीकार किया जाएगा, जो उनके हित में होगा। उसने कहा कि अनावश्यक मांगों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। मुफ्ती नूर वली महसूद ने कहा, 'हमारी मांगें स्पष्ट हैं, विशेषकर केपी के साथ फाटा के विलय संबंधी फैसले को वापस लेना हमारी प्राथमिक मांग है जिससे संगठन पीछे नहीं हट सकता।'टीटीपी पाकिस्तान में हुए कई भीषण आतंकवादी हमलों के जिम्मेदार है। इसके अधिकतर निशाने पर पाकिस्तानी सेना ही रही है। इमरान खान के गृह राज्य खैबर पख्तूनख्वा को टीटीपी का गढ़ माना जाता है। इसके आतंकी पाकिस्तान में वारदात को अंजाम देने के बाद सीमा पार कर अफगानिस्तान भाग जाते हैं। इस कारण पाकिस्तान के लिए टीटीपी आतंकवादियों को पकड़ना काफी मुश्किल हो रहा है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में घुसकर कई बार सैन्य कार्रवाई भी की है, लेकिन तालिबान के विरोध के बाद यह अभियान धीमा पड़ गया है। मुफ्ती नूर वली महसूद 2018 में अफगानिस्तान के अंदर अमेरिकी ड्रोन हमले में मुल्ला फजलुल्लाह के मारे जाने के बाद टीटीपी का प्रमुख बना था। मुल्ला फजलुल्लाह को मुल्ला रेडियो को नाम से भी जाना जाता था। यह पूछे जाने पर कि क्या हाल के हमलों में टीटीपी को नुकसान हुआ है, महसूद ने ब्योरा देने से इनकार कर दिया। हालांकि, उसने टीटीपी के भीतर अंदरूनी कलह को स्वीकार किया। उसने इस बात से इनकार किया कि शांति वार्ता में तालिबान मध्यस्थता कर रहा है। उसके दबाव के कारण ही टीटीपी बातचीत को राजी हुआ है।एफएटीए का पूरा नाम फेडरल एडमिनिस्ट्रेटेड ट्राइबल एरियाज है।

सुविचार फल की अभिलाषा छोड़कर कर्म करनेवाला मनुष्य ही मोक्ष प्राप्त करता है। - गीता

संपादकीय

इस्लाम के दुश्मन हैं ये हत्यारे

(लेखक - डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

कल उदयपुर में जिस तरह एक हिंदू दर्जी कन्हैया की दो मुसलमानों ने हत्या की है, उससे अधिक लोमहर्षक घटना क्या हो सकती है? इस घटना की खबर टीवी चैनलों पर देखकर सारे देश के रोंगटे खड़े हो गए। इसके पहले भी सांप्रदायिक मूढ़ता के चलते कई इसी तरह की छोटी-मोटी घटनाएं कई मजहबी लोग एक-दूसरे के खिलाफ करते रहे हैं लेकिन यहां असली सवाल यही है कि ऐसा घृणित काम करके ये लोग क्या अपने धर्म या मजहब या संप्रदाय की इज्जत बढ़ाते हैं? बिल्कुल नहीं। ये लोग अपने कुकृत्य के कारण अपने धर्म और अपने धार्मिक महापुरुषों को कलंकित करते हैं। जिन दो मुसलमान युवकों ने उदयपुर के उस निहत्थे हिंदू दर्जी की हत्या की है, वे इस्लाम और पैगंबर मोहम्मद के भक्त नहीं, पक्के दुश्मन हैं। दर्जी का दोष यही है कि उसने भाजपा प्रवक्ता के पैगंबर संबंधी बयान का समर्थन कर दिया था। अभी तक लोगों को यह पता नहीं है कि प्रवक्ता ने वह बयान क्यों दिया था और उसमें किन शब्दों का प्रयोग किया गया था? सिर्फ कुप्रचार और अफवाहों पर भरोसा करके कोई हत्या-जैसा संगीन अपराध कर दे, इससे क्या संकेत मिलता है? यदि किसी व्यक्ति ने किसी मजहब या उसके महापुरुष पर उंगली उठाई है तो भी क्या उस व्यक्ति की हत्या उसका सही जवाब है? नहीं। इसका उल्टा है। यदि उस व्यक्ति के गलत तथ्यों को मजबूत तर्कों से काटा जाता तो वह सही जवाब होता। उसकी हत्या करके तो आप उसके द्वारा बोली गई अनर्गल बात को करोड़ों लोगों तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। यह संतोष का विषय है कि अनेक मुस्लिम संगठनों और मुस्लिम नेताओं ने कन्हैया के हत्यारों की दो-टूक भर्त्सना की है और उन्हंह कठोरतम दंड देने की अपील की है। इन हत्यारों को हफ्ते-दो-हफ्ते में ऐसी भयंकर सजा मिलनी चाहिए कि जो सारी दुनिया के लिए सबक बन जाए। यदि कन्हैया को राजस्थान पुलिस की सुरक्षा कुछ दिन और मिली होती तो इस भयानक हादसे से शायद बचा जा सकता था लेकिन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हत्यारों को तुरंत पकड़ने और शांति बनाए रखने के लिए काफी मुस्तैदी दिखाई है। क्या संयोग है कि इधर कन्हैया की हत्या हुई और उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा पर पहुंचे। मुझे आश्चर्य है कि जिन अरब देशों ने भाजपा प्रवक्ता के पैगंबर संबंधी बयान को लेकर तूफान खड़ा किया था, अभी तक इस हत्याकांड पर उनकी कोई प्रतिक्रिया क्यों नहीं आई? यह संतोष का विषय है कि इस हत्याकांड को लेकर भारत का हिंदू समुदाय भयंकर दुखी तो है लेकिन उसने अभी तक कोई हिंसक प्रतिक्रिया नहीं की है। देश के लगभग सभी मुसलमान इस क्रूर हत्याकांड को निंदनीय मानते हैं। यह ऐसा नाजुक मौका है, जब भारत के सभी लोगों को सैकड़ों-हजारों वर्ष पहले उनके धर्मग्रंथों में कही गई पोगापंथी बातों की उपेक्षा करनी चाहिए और अपने सार्वजनिक जीवन में भारतीय संविधान को सर्वोपरि मानना चाहिए।

आज के कार्टून

सत्य

जग्गी वासुदेव

कबीर एक बुनकर थे-वे एक महान दिव्यदर्शी कवि थे जो आज भी अपनी कविताओं के माध्यम से हमारे बीच जीवित हैं। उन्होंने जो काव्य लिखा था, गाया था, वह उनके जीवन का एक बहुत छोटा सा भाग है। अधिकतर समय वे कपड़ा बुनने का काम करते थे। चूंकि आज हमारे पास केवल उनका काव्य है तो लोगों को लगता है कि उन्होंने बस यही काम किया। नहीं, उनका जीवन तो कपड़ा बुनने में लगा था, काव्य करने में नहीं। उनका बुना हुआ कपड़ा आज नहीं है पर उनकी कही हुई कविताएं आज भी जीवित हैं। मुझे नहीं मालूम कि कितनी खो गई है पर जो बची है वे फिर भी अविसनीय हैं। वे अद्भुत मनुष्य थे पर उनके काव्य के अतिरिक्त हम उनके बारे में कुछ नहीं जानते। स्पष्ट है कि वे अत्यंत गहन अनुभव रखने वाले व्यक्ति थे, इसके बारे में कोई प्रश्न ही नहीं है। लेकिन उनका पूरा जीवन, उनकी मृत्यु और उसके बाद भी, उनकी दिव्यदर्शिता, ज्ञान अथवा स्पष्टता की एक नई दूरदृष्टि जो वे लोगों को देना चाहते थे, उसको लोगों ने महत्व नहीं दिया। वे सब बस इसी विवाद में उलझे रहे कि कबीर हिंदू थे या मुस्लिम? लोगों के सामने बस यही मुख्य प्रश्न था। अगर आप को ये मालूम नहीं है तो मैं आप के सामने एक अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारी रख रहा हूं- कोई भी इंसान, एक हिंदू या मुस्लिम, या जो ऐसे और भी बेकार के झंझट है, उनमें से किसी रूप में पैदा नहीं होता। ऐसे ही, कोई भी हिंदू या मुस्लिम या ऐसा ही कुछ और हो कर नहीं मरता। मगर जब तक हम यहां पर हैं, तब तक एक बड़ा सामाजिक नाटक चलता रहता है। ये सब कुछ जो आप ने बनाया है-आप के विचार कि आप कौन हैं, आप कौन सा धर्म मानते हैं, कौन सी चीज आप की है, कौन सी चीज आप की नहीं है?-ये सब असत्य है। जो सत्य है वह बस है, आप को उसके बारे में कुछ नहीं करना। इस सत्य की वजह से ही हम हैं। सत्य वह नहीं है जो आप बोलते हैं। सत्य का अर्थ है वे मूल नियम जो जीवन को बनाते हैं और जिनसे सब कुछ होता है। आप अगर कुछ कर सकते हैं तो बस ये चुन सकते हैं, कि आप सत्य के साथ लय में हैं या आप सत्य के साथ लय में नहीं हैं। आप को सत्य की खोज नहीं करनी है, सत्य का कोई अध्ययन भी नहीं करना है।

चिंताजनक है युवाओं में बढ़ती मादक पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

मादक पदार्थों का सेवन अब मानवता के प्रति सबसे बड़े अपराध का रूप धारण कर चुका है। भारत में मादक पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। चिंता का विषय यह है कि अब यह प्रवृत्ति केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रही है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नशे का जाल फैलता जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन आदि के अलावा इंजेक्शन के जरिये लिए जाने वाले मादक पदार्थों का भी इस्तेमाल होने लगा है। रईसजादे युवक-युवतियों की रेव पार्टियां तो नशे का भयावह आधुनिक रूप है, जहां राजनीतिक संरक्षण के चलते प्रायः पुलिस भी हाथ डालने से बचती है। हालांकि कभी-कभार रेव पार्टियों पर छापा मारकर नशे में मदमस्त लड़के-लड़कियों को गिरफ्तार किया जाता रहा है, जिससे पता चलता रहा है कि देश का आज कोई भी महानगर ऐसा नहीं है, जहां ऐसी रेव पार्टियां रईसजादों की रोजमर्रा की जीवनशैली का हिस्सा न हों। वास्तव में रेव पार्टियां धनाढ्य बिगड़ैल युवाओं की नशे की पार्टियों का ही आधुनिक रूप हैं। कोकीन हो या अन्य ऐसे ही मादक पदार्थ, जिनमें गंध नहीं आती, रसूखदार परिवारों के बिगड़े हुए युवाओं का मनपसंद नशा बनते जा रहे हैं। इस बात से बेखबर कि ये तमाम मादक पदार्थ सीधे शरीर के तंत्रिका तंत्र पर हमला करते हैं और शरीर को भयानक बीमारियों की सौगात देते हैं, ऐसे युवा चंद पलों के मजे के लिए इनके गुलाम बन जाते हैं। युवाओं को मादक पदार्थों के करीब लाने में इंटरनेट की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में करीब चालीस फीसदी कॉलेज छात्र हैं, जिनमें लड़कियों की संख्या भी काफी ज्यादा है। देश के अनेक कॉलेजों में तो अब स्थिति यह है कि बहुत से कॉलेजों के अंदर ही आसानी से नशीले पदार्थ उपलब्ध हो जाते हैं। स्कूल-कॉलेजों के छात्र अक्सर अपने साथियों के कहने या दबाव डालने पर या फिर मॉडर्न दिखने की चाहत में इनका सेवन आरंभ करते हैं। कुछ युवक मादक पदार्थों से होने वाली अनुभूति को अनुभव करने के लिए, कुछ रोमांचक अनुभवों के लिए तो कुछ मानसिक तौर पर परेशानी अथवा हताशा की स्थिति में इनका सेवन शुरू करते हैं। मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाई जाने वाली कुछ दवाओं का उपयोग भी लोग अब नशा करने के लिए करने लगे हैं। देश में नशे के फैलते जाल का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि मादक पदार्थ न सिर्फ मानव शरीर की सुंदरता को नष्ट कर शरीर को खोखला बनाते हैं बल्कि इनका उपयोग युवा पीढ़ी की क्षमताओं को नष्ट कर उनकी सृजनशीलता को भी मिटा रहा है तथा देश के सामाजिक और आर्थिक ढ़ांचे को पंगु बना रहा है। एक बार मादक पदार्थों की लत लग जाए तो व्यक्ति इनके बिना रह नहीं पाता। यही नहीं, उसे पहले जैसा नशे का प्रभाव पैदा करने के लिए और अधिक मात्रा में मादक पदार्थ लेने पड़ते हैं। इस तरह व्यक्ति इनका गुलाम बनकर रह जाता है। वर्ष 1993 में मैंने नशे के दुष्प्रभावों पर एक पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' लिखी थी, जिसमें मैंने विस्तार से यह स्पष्ट किया था कि अधिकांश लोगों में कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति की सृजनशीलता बढ़ती है और इससे व्यक्ति में सोच-विचार की क्षमता, एकाग्रता तथा यौन सुख बढ़ता है लेकिन वास्तविकता यही है कि नशे के शिकार लोगों की सोच-विचार की क्षमता और इसकी स्पष्टता खत्म हो जाती है तथा उनके कार्यों में भी कोई तालमेल नहीं रहता। इनके सेवन से कुछ समय के लिए संकोच की भावना जरूर मिट जाती है लेकिन अंततः इससे शरीर की सामान्य कार्यक्षमता में गिरावट आती है। दरअसल नशीली दवाएं या नशीले पदार्थ ऐसे रासायनिक पदार्थ हैं, जो हमारे शरीर की कार्यप्रणाली को बदल देते हैं। कोई भी रसायन, जो किसी व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली में बदलाव लाए, मादक पदार्थ कहलाता है और जब इन मादक पदार्थों का उपयोग किसी बीमारी के इलाज या बेहतर स्वास्थ्य के लिए दवा के तौर पर किया जाए तो यह मादक पदार्थों का सही उपयोग कहलाता है लेकिन जब इनका उपयोग दवा के रूप में न होकर इस प्रकार किया जाए कि इनसे व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली को नुकसान पहुंचे तो इसे नशीली दवाओं का दुरूपयोग कहा जाता है। मादक पदार्थों के सेवन का आदी हो जाने पर व्यक्ति में प्रायः कुछ लक्षण प्रकट होते हैं, जिनमें खेलकूद और रोजमर्रा के कार्यों में दिलचस्पी न रहना, भूख कम लगना, वजन कम हो जाना, शरीर में कंपकंपी छूटना, आंखें लाल, सूजी हुई रहना, दिखाई कम देना, चक्कर आना, उल्टी आना, अत्यधिक पसीना आना, शरीर में दर्द, नींद न आना, चिड़चिड़ापन, सुस्ती, आलस्य, निराशा, गहरी चिन्ता इत्यादि प्रमुख हैं। सुई के जरिये मादक पदार्थ लेने वालों को एड्स का खतरा भी रहता है। देशभर में नशे का अवैध व्यापार तेजी से फल-फूलने के पीछे सबसे बड़ा कारण यही है कि नशे के सौदागरों के लिए मादक पदार्थों की तस्करी सोने का अंडे देने वाली मुर्गी साबित हो रही है। विश्व की कुल अर्थव्यवस्था का 15 फीसदी हिस्सा यही व्यापार रखता है। भारत से मादक पदार्थों की तस्करी अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन, बर्मा, ईरान आदि देशों के जरिये होती रही है और अवसर मिलते ही ये मादक पदार्थ तस्करी के जरिये पश्चिमी देशों में पहुंचा दिए जाते हैं। हालांकि भारत इस अवैध व्यापार में तस्करों के लिए केवल एक पड़ाव का काम करता है लेकिन इसके दुष्प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि इस अवैध व्यापार का तस्करी, आतंकवाद, शहरी क्षेत्र के संगठित अपराध तथा आर्थिक एवं व्यावसायिक अपराधों से काफी करीबी रिश्ता है।

इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भौगोलिक स्थिति के कारण भारत नशीली दवाओं की तस्करी के लिए सबसे अच्छा रास्ता बन गया है। हालांकि नशे के अवैध व्यापार पर लगाम कसने के लिए हमारे यहां अन्य देशों के मुकाबले बहुत कड़े कानून हैं, फिर भी अपराधी अक्सर कानून की कुछ खामियों की वजह से बच निकलते हैं और यही कारण है कि मादक पदार्थों का अवैध व्यापार भारत में निरंतर फल-फूल रहा है। आज युवा पीढ़ी जिस कदर मादक पदार्थों की शिकंजे में फंस रही है, उसके मद्देनजर समाज का कर्त्तव्य है कि वह युवा वर्ग का मार्गदर्शन करते हुए उसे उचित मार्ग दिखलाए और गलत मार्ग पर चलने से रोके। ऐसे कार्यों को केवल सरकार के ही भरोसे छोड़ देना उचित नहीं बल्कि समाज को भी इस दिशा में ठोस पहल करनी होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार तथा नशे के दुष्प्रभावों पर पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' के लेखक हैं)

गर्भपात को लेकर अमेरिका का रुख

लेखिका- सोनम लववंशी

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं के लिए गर्भपात कानून में बदलाव करने का निर्णय लिया है। इसके तहत पांच दशक पुराने गर्भपात कानून पर रोक लगा दी गई। अब अमेरिका में 50 साल पुराना संवैधानिक संरक्षण समाप्त हो गया। साथ ही अमेरिका के सभी राज्य गर्भपात को लेकर अपने नियम खुद बना सकेंगे। इस फैसले के बाद सम्भवतः अमेरिका के कुछ राज्यों में गर्भपात पर पूरी तरह से प्रतिबंध लग जाएगा। देखा जाए तो यह फ़ैसला कहीं न कहीं महिलाओं के लैंगिक समानता और मानवाधिकार के ख़िलाफ़ है। अमेरिका में 1973 को रो बनाम वेड मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात को संवैधानिक अधिकार का दर्जा दिया था। अमेरिका गर्भपात का अधिकार वापस लेने वाला पहला देश बन गया है। पिछले 25 सालों में दुनिया ने गर्भपात को लेकर कानूनों में कई बदलाव किए। लेकिन, तीन देश ही ऐसे है जहां गर्भपात को कठिन बनाने के लिए कड़े नियम कानून बनाए गए है। दुनिया में आज भी 67 देश ऐसे जहां गर्भपात कराना बहुत ही आसान है। इन देशों में बिना वजह बताए सरलता से गर्भपात कराया जा सकता है। अधिकतर देशों में शुरुआती तीन महीनों में गर्भपात कराना गैरकानूनी नहीं माना गया। जबकि, 26 देश तो ऐसे हैं। जहां गर्भपात कराना पूरी तरह से प्रतिबंधित है। फ़िर चाहे माँ या बच्चे की जान पर ही बात क्यों न आ जाए। भारत की बात करें तो हमारे देश में गर्भपात को लेकर कोई सख़्त नियम नहीं है। भारत में सुरक्षित गर्भपात कराना कानूनी अधिकार है। हमारे देश में गर्भपात के लिए 'मेडिकल टर्मिनेशन ऑफप्रग्नेंसी एक्ट 1971' में बना था। इसके बाद 2021 में इस एक्ट में कुछ सुधार किए गए। इसके साथ ही कुछ विशेष परिस्थितियों में महिलाओं को मेडिकल गर्भपात 20 सप्ताह से बढ़ाकर 24 सप्ताह कर दिया गया है। संशोधित कानून के तहत दुष्कर्म पीड़िता या नाबालिग लड़की 24 हफ्ते तक गर्भपात करा सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, हर साल 2.5 करोड़ असुरक्षित गर्भपात होते है। जिसमें करीब 37 हजार महिलाओं की मौत तक हो जाती है। वैसे गर्भपात पर प्रतिबंध लगा देने मात्र से गर्भपात के आकंड़े कम नहीं होंगे, बल्कि गैरकानूनी तरीके से गर्भपात कराने के आंकड़े जरूर बढ़ जाएंगे। एक अनुमान के मुताबिक कोरोना महामारी के पहले साल ही 14 लाख महिलाएं अनचाहे गर्भ का शिकार हो गई थी। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र की वार्षिक रिपोर्ट में भी इस बात का खुलासा हुआ कि दुनिया में हर साल 12.1 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को अनचाहे गर्भधारण का सामना करना पड़ता है। यहां अनचाहे गर्भधारण से आशय है, महिलाओं को उनकी मर्जी के बिना गर्भवती कर दिया जाना। कई बार जबरदस्ती, कई बार वे मज़बूरी में शिकार बन जाती हैं तो कई बार युद्धकाल की भेंट चढ़ना पड़ता है। ये सदियों से होता आ रहा है और समाज के आधुनिक होने के बाद भी इसमें कोई अंतर नहीं आया। ऐसे में देखा जाए तो गर्भपात पर प्रतिबंध लगाना जायज़ नहीं ठहराया जा सकता! क्योंकि, किसी और के किए की सजा सिर्फ महिलाओं पर मढ़ देना आधी आबादी के अधिकारों का हनन होना है। सवाल तो यह भी उठता है कि अमेरिका जैसे देश में गर्भपात पर प्रतिबंध लगा देने भर से क्या महिलाएं गर्भपात कराना बन्द कर देगी? बच्चे पैदा करने या नहीं करने का अधिकार एक महिला को होना चाहिए। क्या सुप्रीम कोर्ट के फैसले में इस बात पर गौर किया गया था कि जब तक महिला बच्चे को जन्म नहीं दे देती है, तब तक पुरुष साथी की भी जवाबदेही हो कि वह महिला और बच्चे का ख़्याल रखे। जो महिला बच्चे को जन्म ही नहीं देना चाहती क्या वह अपने बच्चे की परवरिश सही ढंग से करेगी! सवाल कई हैं, लेकिन इनके जवाब मौजूदा दौर में कहीं दिखाई नहीं देते। बात अगर भारत के बारे में की जाए, तो आज भी हमारे समाज में महिलाओं के पास अपनी इच्छा से गर्भवती होने या न होने का कोई विकल्प नहीं है। वे इतने सामाजिक और आर्थिक बंधनों में जकड़ी हैं कि इस दिशा में वे सोच ही नहीं पाती। इस बात के पक्ष में कभी कोई महिला आंदोलन भी खड़ा नहीं हुआ। ऐसे में सवाल उठता है कि अनचाहे गर्भ के लिए क्या महिलाएं ही जिम्मेदार हैं! क्या पुरुषों की कोई जवाबदेही नहीं बनती। वैसे हमारे पुरुष प्रधान समाज में अनचाहे गर्भ के लिए महिलाओं को ही क्यों जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है। अगर कोई लड़की गर्भवती हो जाए, तो समाज उसे हीनभावना से देखता है। जबकि, कोई उस लड़के को गलत नहीं समझता, जो इस कृत्य में सबसे बड़ा भागीदार होता है। यहां तक कि समाज और परिवार वाले भी लड़के के पक्ष में खड़े हो जाते हैं। ऐसे में यह दोयम दर्जे की मानसिकता कब तक पल्लवित होती रहेगी! अनचाहे गर्भधारण की वजह से अनगिनत समस्याओं का सामना महिलाएं तो करती ही हैं। अगर उन्हें ही इसके लिए कसूरवार हर बार ठहराया जाता रहा तो यह कतई उचित नहीं कहा जा सकता। ऐसी परिस्थितियों में गर्भपात करने का अधिकार महिलाओं से नहीं छीना जाना चाहिए। ये सच है कि गर्भपात कराने का सीधा असर महिलाओं के स्वास्थ्य पर ही पड़ता है। ऐसी स्थिति में अनचाहे गर्भ को रोकने के लिए महिलाओं को जागरूक करना जरूरी है। न कि गर्भपात पर प्रतिबंध लगा देना। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ो की माने तो देश दुनिया में 64 देशों में 23 प्रतिशत महिलाएं यौन संबंध बनाने के लिए अपने साथी को इंकार तक नहीं कर पाती! इससे सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि 21वीं सदी में महिलाओं की स्थिति क्या है! अभी हाल ही में मेराइटल रेप (विवाहित दुष्कर्म) को लेकर हमारे देश में चर्चा का दौर जारी था। जिसकी गूंज संसद से लेकर सड़क तक सुनाई दी। यहां तक कि इस मुद्दे को लेकर न्यायालय में भी बहस का दौर जारी रहा! लेकिन, हमारा समाज इस मुद्दे पर बंटा हुआ नज़र आया। बात अगर महिलाओं की करें तो हमारे समाज में आज भी महिलाएं सेक्स जैसे गम्भीर मुद्दे पर चर्चा तक नहीं कर पाती और न इसके लिए अपने जीवनसाथी को मना कर पाती है। वर्तमान दौर में हमारे समाज में महिलाओं को यौन हिंसा, लैंगिक असमानता व गरीबी की वजह से भी अनचाहे गर्भ का सामना करना पड़ता है। बात अनचाहे गर्भधारण की करें तो इसकी सबसे बड़ी वजह जानकारी का अभाव होना है।

सू-दोकू नवताल -2153

	4	1	3					
	6		9		4	1		5
3		9			2		7	
	1	5	7		3	4		
		2	8		6	7	9	
	7		1			3		2
8		3	4		7		1	
					8	9	4	

सू-दोकू 2152 का हल

6	8	9	1	5	7	4	2	3
1	7	2	4	6	3	9	8	5
4	3	5	9	8	2	6	7	1
8	6	1	2	7	9	3	5	4
7	2	4	5	3	6	1	9	8
5	9	3	8	1	4	2	6	7
3	5	6	7	2	1	8	4	9
9	1	7	6	4	8	5	3	2
2	4	8	3	9	5	7	1	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2153

बायें से दायें:-

1. अमिताभ, सलमान खान, जॉन अब्राहम, हेमा, रानी मुखर्जी की एक फिल्म-3
3. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर अभिनीत एक फिल्म-3,3
6. तुषार कपूर की 'दिलकश ये एहसास है' गीत वाली फिल्म-3
7. 'बेईमान पिया रे' गीत वाली अजग देवगन, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2
8. मिलिंद सोमण, राज जुत्शी की 'गोरी तोरे नैना बावरे' गीत वाली फिल्म-2
9. धर्मेंद्र, जीतेंद्र, हेमा की गुलजार निर्देशित फिल्म-3
11. सनी देओल, तब्बू की 'एक लड़की बस गई' गीत वाली फिल्म-2
13. 'तुझे रब ने बनाया है कमाल' गीत वाली फिल्म-2
14. सलमान खान, किरण झवेरी की एक फिल्म-3
16. राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-2
17. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-2
18. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-3
20. 'मुंडिया तो बच के' गीत वाली फिल्म-2
22. अमोल पालेकर, रंजीता की फिल्म-3
23. 'फिर छिड़ी बात, बात फूलों की' गीत वाली फिल्म-3
25. अभिषेक, अजय देवगन, बिपाशा अभिनीत फिल्म-3
27. फिल्म 'हवस' में अनिल धवन की नायिका-2
29. सनी, सुनील शेट्टी की फिल्म-3
30. सुनील शेट्टी की पत्नी का नाम-2
32. 'दिल ने ये जाना' गीतवाली फिल्म-2
33. 'जिंदगी इम्तिहान लेती है' गीतवाली फिल्म-3
34. 'आई ने के सौ टुकड़े' गीतवाली फिल्म-1

ऊपर से नीचे:-

1. राजेश खन्ना, हेमा, दीपक पाराशर की फिल्म-2
2. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-3
3. 'जिन्हें हम भूलना चाहें' गीत वाली फिल्म-3
4. फिल्म 'शीशा' में सोनू सूद की नायिका-2
5. विनोद खन्ना, महमूद, भारती की फिल्म-3
7. किशोर कुमार, माला सिन्हा की 'तोड़ो ना दिल बेकरार का' गीत वाली फिल्म-4
9. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-2
10. शाहरुख, विवेक मुशरान, जुही चावला की फिल्म-4
12. शाहरुख खान, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-2
13. 'मेरे नैना सावन भादों' गीतवाली फिल्म-4
15. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-4
18. 'चोरों को सारे नजर आते हैं चोर' गीतवाली फिल्म-2,3
19. विनोद खन्ना, ऋषि, श्रीदेवी, जूही की फिल्म-3
21. 'मेरे गाल छुए जो तू' गीतवाली फिल्म-3
24. राहुल खन्ना, जिम्मी शेरगिल तनुश्री दत्ता की फिल्म-3
26. मंगेशकर बहनों में सबसे छोटी बहन का नाम क्या है?-2
28. अमिताभ, अमृता सिंह, मीनाक्षी की फिल्म-3
31. 'मखमली ये बदन' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2152

रि	श्ते		अं	दा	ज		अ	ल	ग
स्क		रा	जा		ख्म		ध		र
	अ	ज	न	बी		जु	र्म		म
बे		पू		स		ल्मी		प्रे	म
ता	क	त		सा	थी		दि		सा
ब			फू	ल		अ	ल	बे	ला
	का	श		बा	द	ल		टा	
म		बा	रू	द		हि	ना		वि
ह	सी	ना			लै	ला		दा	वा
ल			रे	ड		ल	क्ष्य		ह

पशुपालन के बिना संभव नहीं टिकाऊ खेती

कृषि कार्य से धन अर्जन प्राचीन समय से किया जा रहा है प्राचीन सभ्यताएं स्वावलम्बी कृषि पर ही निर्भर रहीं।जब भी कृषि में स्वावलंबन समाप्त हुआ सभ्यताएं गिर गई।स्वावलम्बी कृषक बाहर के आदानों का मूल्य नहीं चुकाता है, वह उन्हें स्वयं उत्पादित करता है।स्वावलम्बन का अर्थ है पर्याप्त उत्पादन करना, पैसा कमाना तथा विपत्ति के दिनों के लिये बचाकर रखना है।भारत के किसान अपने परम्परागत ज्ञान को परिमार्जित करते हुए कृषि कार्य द्वारा मिट्टी से सोना बनाने का कार्य करता रहे, परन्तु आज पाश्चात्य् कृषि शिक्षा का प्रभाव, हरित क्रांति की चकाचौंध, कृषि के मशीनीकरण, रसायनिक खाद एवं कीटनाशकों के तात्कालिक लाभों को देखकर भारतीय किसान कृषि के स्वावलम्बन से दूर होकर रसायनिक खेती अपनाने लगा।

किसान अधिक उपज लेने के लिये आवश्यकता से अधिक उर्वरक एवं रसायनिक दवाओं का प्रयोग करने लगा जिससे उत्पादन में बढ़ोत्तरी अवश्य होती है परन्तु साथ ही साथ प्रति हेक्टेयर खर्चा भी बढता जा रहा है। इससे न केवल किसानों की आय में कमी देखी जा रही है बल्कि पर्यावरण पर भी विपरीत असर होता दिखाई दे रहा है। पिछले चार दशकों में कृषि रसायनों (खाद, कीटनाशक, नींदानाशक, और बढ़वार कारकों) और पानी के अविवेकीय अन्धाधुन्ध उपयोग ने मृदा उर्वरता, कृषि उत्पादकता के कारकों, उत्पाद गुणवत्ता एवं पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव डाला है। रसायनिक खेती या गहन कृषि पद्धति की ओर प्रेरित किया है क्योंकि विश्व की जनसंख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है और खाद्यान्न की आवश्यकता में भी वृद्धि होती जा रही है। रसायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग से कृषि योग्य भूमि में निम्ननिखित परिणाम देखने को मिले हैं।

- भूमि की सतह का सख्त होना।
- लाभप्रद जीवाणुओं की संख्या में कमी।
- भूमि की जलधारण क्षमता में कमी।
- मृदा की क्षारीयता, लवणता तथा जलागम में वृद्धि।
- भूमि में जीवाश्म की मात्रा में कमी।
- फसलों में कीट, व्याधियों व खरपतवारों की समस्या में वृद्धि ।
- भूमि की उत्पादकता में निरन्तर कमी।

उपरोक्त कारणों की वजह से आज कृषक को खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। आज हमारे विश्व की जनसंख्या लगभग 6 अरब है व सन् 2050 तक इसका 9 अरब होने का अनुमान है। लेकिन हमारी कृषि उत्पादकता बढ़ने की बजाय स्थिर हो गई है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए कृषि वैज्ञानिक आधारित या टिकाऊ खेती करने पर जोर दे रहे हैं।

टिकाऊ खेती से तात्पर्य फसल एवं पशुपालन उत्पादन के एकीकरण तंत्र से है। जो लम्बे समय तक निम्न बातें पूर्ण कर सके।

- मनुष्य के भोजन की पूर्ति कर सके।
- वातावरण की गुणवत्ता एवं प्राकृतिक संसाधनों को बचायें।
- उन सभी संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग हो जिनका पुर्नउत्पादन नहीं हो सकता है।
- भूमि की आर्थिक उपयोगिता को बनाये रखें।
- कृषक व समाज के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाएं।

इस प्रकार से टिकाऊ खेती में वह सभी बातें समाहित हैं जिससे वातावारण सुधरे, आर्थिक लाभ हो एवं समाज में समानता आए। यहां पशुपालन की टिकाऊ खेती में बराबर की हिस्सेदारी है क्योंकि पशुओं की कृषि में आर्थिक उपयोगिता है, व साथ ही ये चराहाग एवं फसलों के अवशेषों आदि को मनुष्य को खाने योग्य बनाने में मदद करते हैं। टिकाऊ खेती का सबसे उत्तम उपाय है जैविक खेती। जैविक खेती से तात्पर्य है कि खेती में रसायनिक खाद, कीटनाशक व जैविक वृद्धिकारकों का उपयोग करके उत्पादन लिया जाय। जैविक खाद बनाने के लिये पशुओं की आवश्यकता पड़ेगी। क्योंकि पशुओं से ही गोबर, मलमूत्र इत्यादि प्राप्त होंगे।

इसके अतिरिक्त मुर्गी खाद भी भूमि की उर्वराशक्ति को बढ़ाने में काफी मदद करती है, क्योंकि मुर्गी खाद में लगभग 20 प्रतिशत प्रोटीन पाई जाती है। जिससे इस खाद में नाइट्रोजन की मात्रा अधिकतम लगभग 3 प्रतिशत व फास्फोरस एवं पोटाश क्रमशः 2-2 प्रतिशत होती है। वहीं सुअर के मल में नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश क्रमशः 0.7, 0.6 एवं 0.7 प्रतिशत पाए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त जैविक खेती में विभिन्न खादों जैसे गोबर व फसल अवशेष के मिश्रण से खाद (नाडेप या कम्पोष्ट खाद), गोबर गैस संयंत्र से उपलब्ध खाद एवं वर्मी कम्पोस्ट आदि का उपयोग होता है। वर्मी कम्पोस्ट केंचुए की मदद से बनने वाला खाद है। एक क्विंटल ताजा वर्मी कम्पोस्ट से भूमि को 800 ग्राम पोटेशियम प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त इसमें सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे कि जस्ता 0.16: तांबा 0.09 और लोहा 1.38 अनुपात होते हैं।

इसमें कुछ पादप हार्मोन्स और एन्टीबायोटिक्स भी होते हैं जो कि फसल की अच्छी पैदावार एवं पौध संरक्षण को बढ़ावा देते हैं। वर्मी कम्पोस्ट की अम्लीयता क्षारीयता 6.8 से 7.2 के बीच होती है। इसमें मृदा का तापमान संतुलित रहता है व मिट्टी में पानी सोखने की प्रवृति बढती हैं। इसके अतिरिक्त मुख्य उपयोग पशु का ये है कि वह जमीन जो कि अत्यंत अनउपजाऊ एवं बंजर होती है उसको भी उपजाऊ बनाने में मदद करते हैं।

उपरोक्त के अलावा टिकाऊ खेती में प्राकृतिक संसाधनों का भी प्रभावी ढंग से उपयोग करना है। इसके लिये हम पशु ऊर्जा का उपयोग मशीनी ऊर्जा के स्थान पर कर सकते हैं। पशु ऊर्जा का उपयोग क्यों करना चाहिए यह निम्न बातों से स्पष्ट होता है-

- पशुओं का उपयोग किसान की कार्यक्षमता को बढ़ाता है। यह फसलों के विविधीकरण कृषि क्षेत्र को बढाने एवं समय पर कृषि कार्यों को सम्पन्न करने में सहायक है।
- मशीनों पर आधारित उत्पादन तन्त्र कुछ ही फसलों तक सीमित रह जाता है और इस तरह विविधता को तहस-नहस कर देता है।
- पशु चलित यन्त्र सस्ते, सुलभ और गांवों में भी बनाये जा सकते हैं।
- पशु ऊर्जा का उपयोग मंहगे और अनवीनीकरण ईंधन पर होने वाले खर्च को बचाना है। पशु खेतों से ही आने वाले फसलों के अवशेष को खाकर उसे उपयोगी चीजों जैसे- दुग्ध, बायोगैस, खाद इत्यादि में बदल देते हैं, और ये भोजन के लिये मानव के प्रतियोगी भी नहीं है।
- ऊर्जा पशुओं का उपयोग पशुओं को फसलोत्पादन से जोड़ने में किसानों की मदद करता है। इस तरह पशुओं की शक्ति का फसलोत्पादन निरन्तर बनाये रखने के लिये दोहन होता रहता है।
- एक बार ट्रैक्टर या पावर टिलर की जीवन अवधि जो कि प्राय: बहुत छोटी होती है, समाप्त हो जाती है तो उसका कोई प्रयोगात्मक उपयोग नहीं रह जाता है। पशु उस पर किये गये खर्च को कई तरह से लौटाता है। वह जीवनभर व मृत्यु उपरान्त भी पशु पालकों को अनेक उपयोगी चीजें देता है। मशीनों के साथ किसानों के कर्ज में फंसने का डर बना रहता है। यदि बढ़ी ऋण सहायता से मशीनीकरण पूर्ण हो भी जाये तो अधिकतर कृषक आबादी अपनी भूमि छोड़ने के लिये बाध्य हो जायेगी। क्योंकि मशीनों की सहायता से बड़े से बड़ा क्षेत्र कुछ ही हाथों द्वारा तैयार किया जा सकता है। इस प्रकार से स्पष्ट है कि टिकाऊ खेती में पशुओं का बहुत बढ़ा योगदान है जिसकों अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

रसायनिक उर्वरकों के लाभकारी सुझाव

उर्वरकों के भरपूर लाभ कैसे लें इसके लिये निम्नलिखित बातें ध्यान रखें -

- मिट्टी परीक्षण के आधार पर नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश तत्व का संतुलित मात्रा में प्रयोग करें.● मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग करें. ● रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश करें.
- फसल चक्र अपनायें. ● उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें.

मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग--जैसा कि विदित है कि हमारे द्वारा लगातार अधिक मुख्य तत्वों वाले रसायनिक उर्वरक उपयोग कर उपज में बढ़ोत्तरी की है लेकिन जमीन से गौण व सूक्ष्म पोषक तत्व जमीन में नहीं दिये जा रहे हैं. जिसके फलस्वरूप हमारी जमीन में मुख्य पोषक तत्वों के साथ-साथ गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों की भी कमी हो गई है। जिसमें सल्फर तत्व चौथे आवश्यक पोषक तत्व के रूप में उभर कर आया है। जिसका मुख्य कारण सघन खेती के साथ जमीन में इन पोषक तत्वों का उपयोग न करना तथा कार्बनिक पदार्थों का खेतों में न डालना है।

रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश- परम्परागत खेती के समय रसायनिक खादों का उपयोग कम था लेकिन किसान खेती में गोबर खाद,हरी खाद एवं भूसा आदि को खेत में मिला दिया जाता था तथा सघन खेती भी नहीं होती थी जिसके कारण जमीन की जलधारण क्षमता अच्छी थी तथा पोषक तत्व भी पर्याप्त होते थे परंतु वर्तमान युग मशीनरी की खेती का युग हो गया है जिसमें पशुपालन कम होता जा रहा है किसान भाई अधिक उपज प्राप्ती के लिये मिट्टी के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भूल गये हैं जिसके परिणाम किसानों को दिखने लगे हैं कि रासायनिक खाद दिये जाने पर फसल उसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। इसलिये प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार 15-20 टन गोबर खाद प्रति हेक्टर खेत में डालें.

फसल चक्र अपनायें- फसल चक्र से आशय एक ही फसल को लगातार न बोयें. पहली वर्ष यदि खरीफ में सोयाबीन और रबी में गेहूं तो दूसरी वर्ष खरीफ में मक्का एवं रबी में चना बोयें। फसल चक्र में दलहनी फसलों का समावेश अवश्य करें. दलहनी फसल वायुमंडलीय नत्रजन को अवशोषित कर स्थिर करती है. तथा नत्रजन दलहनी फसल में नहीं देना पड़ता है.उथली जड़ वाली फसल के बाद गहरी जड़ वाली फसल,अधिक पानी वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल बोये. फसल चक्र अपनाने से उर्वरकों की क्षमता तो बढ़ती ही है साथ ही साथ कीड़े बीमारी भी कम लगती है।

उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें- उपयुक्त सस्य क्रियायं अपनाने से रसायनिक उर्वरकों की दी गई मात्रा अधिक से अधिक फसल द्वारा ली जावेगी जिससे उपज भी अच्छी मिलेगी. इसके लिये कुछ मुख्य कृषि क्रियायें मुख्य हैं जो निम्नलिखित हैं.

- उपलब्ध साधनों के अनुरूप अधिक उपज देने वाली किस्म बोयें. ● बीज जनित रोगों से बचने के लिये बाबिस्टीन, थाइरम से बीज को उपचारित कर बोयें. ● किस्म की पकने की अवधि के अनुसार समय पर बुवाई करें.● उर्वरकों को सही विधि व समय पर दें. ● फसलों की बढ़वार के क्रान्तिक समय में खेत को खरपतवार रहित रखें. ● सिंचाई आवश्यकतानुसार एवं सही विधि से करें. ● रोग व बीमारियों का प्रबंधन करें. ● समय पर कटाई कर,थ्रेसिंग कर उचित भंडारण करें.

दूध के साथ रेशम उत्पादन

मिल्क विथ सिल्क सिद्धांत की जरूरत और महत्व

भारत के कई इलाकों में सिंचाई की सुविधाएँ सीमित मात्रा में होने से 50 प्रतिशत से ज्यादा खेती बारानी है। यह सर्वविदित हैं कि पिछले कुछ वर्षों से अनियमित मानसून, अमौसमी बरसात, कठोर जलवायु तथा अन्य कई कारणों से बारानी खेती बिना भरोसे की तथा नुकसानमंद साबित हो रही हैं। इससे किसानों में निराशा आर्थिक नुकसान के कारण आत्महत्या तक हो रही हैं। इस स्थिति से उबरने का एक उपाय हैं खेती से जुड़े पूरक व्यवसाय शुरू करना और उन्हें ज्यादा प्रभावी तथा ज्यादा फायदेमंद बनाने हेतु दो या तीन पूरक व्यवसायों को एक साथ करना जैसे दुग्ध व्यवसाय और रेशमकीट पालन एक साथ करना जो एक-दूसरे के पूरक हैं।

दुग्ध उत्पादन हेतु पशुपालन तथा रेशम कीट पालन हेतु मलबेरी की काश्त करना एक-दूसरों के कई तरह से पूरक हैं। पशुओं को दूध उत्पादन हेतु पौष्टिक चारा चाहिए जो उन्हें मलबेरी की पत्तियों से मिलता हैं।

इसके अलावा मलबेरी की पत्तियाँ जायकेदार पाई गई। उनकी पाचकता 70 से 90 च पाई गई। उनमें खनिज लवण 25 प्रतिशत तक पाये गये जो दूध उत्पादन बढ़ाने हेतु तथा पशु के स्वास्थ्य एवं प्रजनन क्षमता बरकरार रखने हेतु अत्यंत उपयुक्त हैं।

एक गाय को उसके शरीर पोषण हेतु रोजाना 7 ग्राम कैल्शियम तथा 7 ग्राम फॉस्फोरस आवश्यक होता हैं जबकि मलबेरी की पत्तियों में करीब 1.8 से 2.4 प्रतिशत कैल्शियम तथा 0.14 से 0.24 प्रतिशत फास्फोरस पाया गया हैं। इसका मतलब यह हैं कि अगर मलबेरी की पत्तियाँ भरपूर मात्रा में दुधारू पशु को खिलाई जाये तो उनके दूध उत्पादन में बढ़ोत्तरी होगी इसके अलावा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। एक वैज्ञानिक प्रयोग में पाया गया कि खुराक और मलबेरी को पत्तियां अनुक्रम 60:40 तथा 25:75 प्रतिशत इस अनुपात में खिलाने पर गायों का दूध उत्पादन 13.2 और 13.8 लीटर प्राप्त हुआ जबकि सिर्फ खुराक खिलाने पर 14.2 लीटर था। इसका मतलब यह हुआ की मलबेरी की पत्तियाँ खिलाने से दूध उत्पादन में ज्यादा कमी नहीं आई बल्कि खुराक की मात्रा कम लगने से उसके पोषण खर्च में कमी आई यानि मलबेरी की पत्तियां खिलाने से दूध उत्पादन का धंधा किफायती होता हैं।

रेशम कीटों को डाली हुई मलबेरी की जो पत्तियां बाकी रह जाती हैं वो पत्तियाँ, डालियाँ दुधारू पशुओं को खिलाया जाये तो वह बरबाद होने से बच जाता हैं। कुछ स्थानों पर रेशम की इल्लियों के अपशिष्ट पदार्थ पर नमक का घोल डालकर वह दुधारू पशुओं को खिलाया जाता हैं।

इस प्रकार रेशम कीट पालन तथा दुग्ध व्यवसाय का आपस में घनिष्ठ नाता जोड़कर दोनों ही व्यवसाय एक साथ एक ही खेत पर कर सकते हैं। इसमें जो मजदूर होते हैं उनका उत्कृष्ठ इस्तेमाल होता हैं. रेशम कीटों द्वारा कोष निर्माण होने पर उन्हें बेचकर पैसा प्राप्त होता हैं। इसके अलावा दुग्ध व्यवसाय से दूध, खाद तथा बछड़े बेंचकर अधिक धन प्राप्त होगा और इस प्रकार किसान भाईयों को कमाई के दो स्त्रोत प्राप्त होंगे जिससे ज्यादा आर्थिक सम्पन्नता का लाभ होगा।

रेशम कीट पालन हेतु प्रशिक्षण, जानकारी, तांत्रिक मार्गदर्शन, रेशम उद्योग, संचालनालय से प्राप्त होते हैं तथा दुग्ध व्यवसाय के विषय में जानकारी प्रशिक्षण तथा तांत्रिक मार्गदर्शन हर जिले में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, जिले के पशुपालन विभाग, कृषि विश्वविद्यालयों में स्थित पशुपालन एवं दुग्ध शास्त्र विभाग आदि जगह से प्राप्त कर सकते हैं।

ध्यान रहे, पूरक व्यवसाय के बिना किसान भाईयों की सही मायने में उन्नति नहीं हो सकती अत: पूरक व्यवसाय अवश्य अपनाएं और अपनी आर्थिक उन्नति हासिल करें.

हीरो को ई-वाहनों के लिए हीरो ट्रेडमार्क की अनुमति मिली

नई दिल्ली । देश की प्रमुख दो-पहिया वाहन विनिर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प को अपने इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री के लिए हीरो ट्रेडमार्क का इस्तेमाल करने की अनुमति मिल गई है। हीरो ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा कि ट्रेडमार्क के इस्तेमाल को लेकर एक मध्यस्थता न्यायाधिकरण ने उसके पक्ष में निर्णय सुनाया है। दो-पहिया इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माता हीरो इलेक्ट्रिक ने हीरो मोटोकॉर्प को अपने इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए हीरो ट्रेडमार्क का इस्तेमाल करने से रोकने का अनुरोध किया था लेकिन न्यायाधिकरण ने हीरो इलेक्ट्रिक की याचिका को अनुपयुक्त पाया।

औद्योगिक श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति मई में 6.97 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली । औद्योगिक श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति मई में बढ़कर 6.97 प्रतिशत पर पहुंच गई। अप्रैल में यह 6.33 प्रतिशत के स्तर पर थी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि खाने-पीने के कुछ सामान महंगे होने से इसमें बढ़ोतरी हुई है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने कहा कि मई में साल-दर-साल आधार पर मुद्रास्फीति बढ़कर 6.97 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो अप्रैल में 6.33 प्रतिशत और पिछले साल के समान महीने में 5.25 प्रतिशत पर थी। इस दौरान खाद्य मुद्रास्फीति 7.92 प्रतिशत रही, जो इससे पिछले महीने 7.05 प्रतिशत पर थी। मई, 2021 में यह 5.26 प्रतिशत थी।मई में अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक- औद्योगिक श्रमिक (सीपीआई-आईडब्ल्यू) 1.3 अंक बढ़कर 129 अंक हो गया।

इंडियन बैंक ने एमसीएलआर बढ़ाई

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने विभिन्न अवधि के ऋणों के लिए कोष की सीमान्त लागत (एमसीएलआर) आधारित ऋण दर में 0.15 प्रतिशत की वृद्धि की है। यह बढ़ोतरी रविवार से लागू हो गई है। एक साल की अवधि की बेंचमार्क एमसीएलआर को 7.40 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.55 प्रतिशत किया गया है। ज्यादातर उपभोक्ता ऋण की ब्याज दरें इसी के आधार पर तय होती हैं। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बैंक ने कहा कि एक दिन से लेकर छह माह की अवधि के ऋण पर भी एमसीएलआर को इसी अनुपात में बढ़ाकर 6.75 से 7.40 प्रतिशत किया गया है।

सोने पर आयात शुल्क बढ़कर 15 फीसदी हुआ

नई दिल्ली । सोने का आयात और चालू खाता घाटा (सीएडी) को बढ़ने से रोकने के लिए सरकार ने इस महंगी धातु पर आयात शुल्क 10.75 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया है।शुल्क में बदलाव 30 जून से प्रभाव में आया है। इससे पहले सोने पर मूल सीमा शुल्क 7.5 फीसदी था जो अब 12.5 फीसदी होगा। 2.5 फीसदी के कृषि अवसंरचना विकास उपकर के साथ सोने पर प्रभावी सीमा शुल्क 15 फीसदी होगा। सोने के आयात में एकाएक तेजी आई है और मई में कुल 107 टन सोने का आयात किया गया, वहीं जून में भी सोने का उल्लेखनीय आयात हुआ। वित्त मंत्रालय ने कहा कि सोने का आयात बढ़ने से चालू खाता घाटे पर दबाव बढ़ रहा है।

अमेरिका और यूरोपीय बाजारों में उथल-पुथल

मुंबई । अमेरिका में संभावित मंदी और रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद उपजी स्थितियों की वजह से यूरोप के बाजारों में भी उथल-पुथल दिख रही है। पिछले कारोबारी सत्र में अमेरिका के प्रमुख शेयर बाजार नैस्डेक पर 1.33 फीसदी की बड़ी गिरावट दिखी। वॉल स्ट्रीट पर निवेशक बढ़ती ब्याज दरों और मंदी की आशंका से घबराए हुए हैं, जिससे लगातार गिरावट दिख रही। वहीं यूरोपीय बाजार भी महंगाई और मंदी की आशंका से घिरे हैं। यहां के शेयर बाजारों पर रूस-यूक्रेन युद्ध का साया भी दिखता है। यूरोप के सभी प्रमुख शेयर बाजारों में पिछले सत्र के दौरान गिरावट दिखी है। जर्मनी का स्टॉक एक्सचेंज पिछले सत्र में 1.69 फीसदी की बड़ी गिरावट पर बंद हुआ तो फ्रांस का शेयर बाजार 1.80 फीसदी लुढ़क गया। लंदन स्टॉक एक्सचेंज पर 1.96 फीसदी की गिरावट दिख रही है।

सेंसेक्स 111 अंक टूटा, रिलायंस इंडस्ट्रीज में सात प्रतिशत से अधिक की गिरावट

मुंबई,

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के शेयर में भारी गिरावट के साथ प्रमुख शेयर सूचकांक बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को 111 अंक टूटकर बंद हुआ। मुंबई, एक जुलाई (भाषा) रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के शेयर में भारी गिरावट के साथ प्रमुख शेयर सूचकांक बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को 111 अंक टूटकर बंद हुआ। इस दौरान 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक 111.01 अंक यानी 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 52,907.93 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में यह 924.69 अंक तक नीचे चला गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 28.20 अंक या 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 15,752.05 पर बंद हुआ। सरकार ने शुक्रवार को पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) पर निर्यात कर लगाया। साथ ही स्थानीय स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर होने वाले अप्रत्याशित लाभ पर भी कर लगाया है। सेंसेक्स में सबसे अधिक 7.25 फीसदी की गिरावट आरआईएल में हुई। इसके अलावा पावरग्रिड, एनटीपीसी, भारती एयरटेल, मारुति, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज और आईसीआईसीआई बैंक गिरने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल थे। दूसरी ओर आईटीसी, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, टीसीएस और एचडीएफसी बढ़ने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल थे। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''घरेलू बाजार से प्रतिकूल संकेतों के कारण रुपये में कमजोर रुख और तेल रिफाइनरियों में बिकवाली के कारण बाजार नुकसान में रहा।'' अन्य एशियाई बाजारों में तोक्यो, सोल और शंघाई के बाजार गिरकर बंद हुए। दोपहर कारोबार में यूरोपीय शेयर बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। बृहस्पतिवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। एक मासिक सर्वेक्षण में शुक्रवार को कहा गया कि भारत की विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधि जून में नौ महीने के निचले स्तर पर आ गई। इस बीच अंतरराष्ट्रीय तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.90 फीसदी उछलकर 111.1 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर पहुंच गया। शेयर बाजार के अस्थाई आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बृहस्पतिवार को शुद्ध रूप से 1,138.05 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर निर्यात कर लगाया

नई दिल्ली । सरकार ने पेट्रोल और एटीएफ के निर्यात पर छह रुपए प्रति लीटर की दर से कर लगाया है और डीजल के निर्यात पर 13 रुपए प्रति लीटर का कर लगाया गया है। एक अलग सरकारी अधिसूचना में कहा गया कि सरकार ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की ऊंची कीमतों से उत्पादकों को होने वाले अप्रत्याशित लाभ के एवज में घरेलू रूप से उत्पादित कच्चे तेल पर 23,230 रुपए प्रति टन का अतिरिक्त कर लगाया है। निर्यात पर कर तेल रिफायनरी विशेषकर निजी क्षेत्र के लिए है जिन्हें यूरोप और अमेरिका जैसे बाजारों में ईंधन का निर्यात करने पर खासा लाभ मिलता है। वहीं घरेलू स्तर पर कच्चे तेल का उत्पादन करने पर लगाया गया कर स्थानीय उत्पादकों के लिए है जिन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से अप्रत्याशित लाभ मिल रहा है।

अब सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर्स को भी देना होगा 10 फीसदी टीडीएस

- एक जुलाई से टीडीएस से जुड़े नियमों में हुए बदलाव

नई दिल्ली ।

अब सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर्स को भी 10 फीसदी के हिसाब से टीडीएस का भुगतान करना होगा। टीडीएस से जुड़े नियमों में बदलाव एक जुलाई से लागू हो गए हैं। नई नीति को वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में शामिल किया गया था। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने सेक्शन 194आर से जुड़े नए नियम जारी कर दिए हैं। नए प्रावधान उन लोगों पर लागू होंगे जो किसी को एक वित्त वर्ष में 20,000 रुपए से अधिक का मुनाफा या अन्य सुविधाएं देते हैं। यह यह भुगतान कारोबार से संबंधी लाभ या अन्य सुविधाओं के लिए होनी चाहिए। सीबीडीटी द्वारा जारी सर्कुलर के अनुसार, वित्त वर्ष में 20,000 से अधिक के लाभ , सामग्री या भुगतान करने वाले को 10 फीसदी टैक्स काटना ही होगा। दिया गया लाभ नगदी है या कोई अन्य भौतिक सामग्री या दोनों का मिक्स, इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। यह मुनाफा, लोन माफी, रेंट फ्री निवास स्थान, फर्नीचर, जमीन, कार या अन्य गिफ्ट हो सकते हैं। हालांकि, एमआरपी पर दी जाने वाली छूट और रीबेट को इससे बाहर रखा गया है। सर्कुलर में बताया गया है कि कुछ अन्य चीजें भी हैं जिन पर टीडीएस काटने पर विचार हो सकता है। जैसे फ्री सैंपल डिस्ट्रीब्यूशन, स्पॉन्सर्ड ट्रिप्स, इवेंट की फ्री टिकट, डॉक्टर या अन्य मेडिकल प्रैक्टिशनर को फ्री सैंपल मेडिसिन आदि इसमें शामिल हो सकते हैं। ऐसी कोई इकाई जो कारोबार नहीं करती है, जैसे सरकारी अस्पताल को लाभ दिए जाने पर टीडीएस नहीं कटेगा। अगर कोई कंपनी किसी सोशल मीडिया हस्ती या इन्फ्लुएंसर को कोई प्रोडक्ट प्रचार के लिए देती है और वह उसे अपने पास रख लेता है तो इस पर टीडीएस कटेगा। हालांकि, इस्तेमाल के बाद वापस कर देने पर टीडीएस नहीं कटेगा।

आरबीआई गवर्नर ने क्रिप्टोकरेंसी को लेकर फिर किया अगाह, बताया बड़ा

वित्तीय प्रणाली के डिजिटल होने से बढ़ रहे हैं साइबर जोखिम, इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) गवर्नर शक्तिकांत दास ने क्रिप्टोकरेंसी को लेकर एक बार फिर अगाह किया है। दास ने कहा कि क्रिप्टोकरेंसी से खतरा है। बिना सही मूल्य के आधार पर मूल्य निकालना केवल सट्टेबाजी है। गौरतलब है कि सरकार विभिन्न हितधारकों और संस्थानों से इनपुट इकट्ठा करने के बाद क्रिप्टोकरेंसी पर एक परामर्श पत्र को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। भारतीय रिजर्व बैंक लगातार क्रिप्टोकरेंसी के बारे में अपनी चिंता जाहिर कर रहा है। वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) के 25वें अंक की प्रस्तावना में दास ने यह भी कहा कि जैसे-जैसे वित्तीय प्रणाली तेजी से डिजिटल होती जा रही है, साइबर जोखिम बढ़ रहे हैं और इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरुवार को कहा कि मुद्रास्फीति के दबाव और भू-राजनीतिक जोखिमों से सजगतापूर्वक निपटने की जरूरत होने के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था पुनरुद्धार की राह पर है। रिजर्व बैंक की 25वीं वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) में यह आकलन पेश करने के साथ ही कहा गया है कि बैंकों के साथ-साथ गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों के पास भी झटके झेलने के लिए पर्याप्त पूंजी बफर मौजूद है। रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक घटनाक्रम से पैदा हुई चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था पुनरुद्धार की राह पर चल रही है। हालांकि, मुद्रास्फीति के दबाव, बाहरी घटनाक्रम और भू-राजनीतिक जोखिमों के चलते हालात से सावधानी से निपटने और करीबी निगरानी रखने की जरूरत है।

रिपोर्ट कहती है कि यूरोप में युद्ध, मुद्रास्फीति के लगातार ऊंचे स्तर पर बने रहने और कोविड-19 महामारी की कई लहरों से निपटने के लिए केंद्रीय बैंकों द्वारा उठाए गए मौद्रिक कदमों के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था का परिदृश्य अनिश्चितता भरा है। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) का पूंजी का जोखिम-भारित संपत्ति अनुपात (सीआरएआर) 16.7 प्रतिशत के नए उच्चस्तर पर पहुंच गया जबकि उनका सकल गैर-निष्पादित संपत्ति (जीएनपीए) अनुपात मार्च, 2022 में 5.9 प्रतिशत के साथ छह साल के निचले स्तर पर आ गया। रिपोर्ट के मुताबिक ऋण जोखिम के लिए व्यापक तनाव परीक्षणों से पता चलता है कि एससीबी गंभीर तनाव परिदृश्यों में भी न्यूनतम पूंजी आवश्यकताओं का पालन करने में सक्षम होंगे।

सोना 1,100 रुपए महंगा, चांदी में भी तेजी

नई दिल्ली ।

सरकार ने सोने पर आयात शुल्क में 5 फीसदी की बड़ी बढ़ोतरी कर दी जिससे सोने की कीमतों में तीन फीसदी का तगड़ा उछाल दिखा। वायदा बाजार में सोना फिर 52 हजार की ओर भाग रहा है। सोने की कीमत में 1,100 रुपए का उछाल देखा गया। मल्टीकमोडिटी एक्सचेंज पर 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने की वायदा कीमत 1,103 रुपए बढ़कर 51,620 रुपए पहुंच गई। जो करीब दो महीने का शीर्ष स्तर है। इससे पहले सोने में ट्रेडिंग की शुरुआत 51,000 के स्तर पर खुलकर हुई थी, लेकिन आयात शुल्क बढ़ने की वजह से इसकी कीमतों में अचानक तेजी आ गई। सोना अभी पिछले बंद भाव से 2.18 फीसदी ऊपर चल रहा है। वहीं एमसीएक्स पर चांदी का वायदा भाव 370 रुपए चढ़कर 58,700 रुपए प्रति किलोग्राम पहुंच गया है। इससे पहले चांदी में कारोबार की शुरुआत

58,418 रुपए के भाव पर खुलकर हुई थी, लेकिन मांग बढ़ने की वजह से जल्द ही इसमें उछाल दिखने लगा। चांदी अभी अपने पिछले बंद भाव से 0.63 फीसदी बढ़त पर चल रही है। घरेलू बाजार में जहां सोने-चांदी की कीमतों में तेजी दिख रही है, वहीं वैश्विक बाजार में दोनों कीमती धातुएं सस्ती हुई हैं। अमेरिकी बाजार में सोने का हाजिर भाव सुबह 1,802.63 डॉलर प्रति औंस रहा, जो अपने पिछले बंद भाव से 0.23 फीसदी नीचे है, जबकि चांदी का हाजिर भाव 20.1 डॉलर रहा जो अपने पिछले बंद भाव से 0.80 फीसदी सस्ता है। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार की ओर से आयात शुल्क बढ़ाए जाने से खुदरा बाजार में सोने की हाजिर कीमत भी बढ़ेगी और इसमें तेज उछाल आ सकता है।

जून में मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में आई सुस्ती

मुंबई ।

जून में मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में थोड़ी सुस्ती आई है। पीएमआई से इसका संकेत मिला है। यह इंडेक्स जून में थोड़ा गिरकर 53.9 पर आ गया। मई में यह 54.6 था। हालांकि पीएमआई 50 के ऊपर बने रहने का मतलब एक्टिविटी में एक्सपैंशन है। इसके 50 से नीचे रहने पर एक्टिविटी में कॉन्ट्रैक्शन का संकेत मिलता है। अच्छी बात यह है कि पीएमआई लगातार 12वीं बार 50 से ऊपर रहा है। जून में इंडियन मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में रिकवरी जारी रही। डोमेस्टिक और इंटरनेशनल क्लाइंट की मजबूत मांग से ऐसा हुआ। हालांकि कीमतों पर बहुत दबाव की वजह से टोटल सेल्स और प्रोडक्शन की ग्रोथ थोड़ी कम रही। कोरोना की महामारी 2020 में शुरू होने के बाद इंडियन इकोनॉमी में गिरावट देखने को मिली थी। अब इकोनॉमी में रिकवरी आ रही है। आरबीआई ने इस फाइनेंशियल ईयर में जीडीपी ग्रोथ 7.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। प्रोडक्शन, फैक्ट्री ऑर्डर, पर्चेजेज स्टॉक और एंप्लॉयमेंट में कम वृद्धि की वजह से जून में मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई की ग्रोथ कम रही। उधर, केंद्रीय बैंक ने कहा है कि इकोनॉमी में रिकवरी तो आ रही है लेकिन अब भी इसमें कई बाधाएं हैं। इनमें वैश्विक स्थितियां और फाइनेंशियल मार्केट्स में उतार-चढ़ाव शामिल हैं।

कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 200 रुपए सस्ता हुआ

- दिल्ली में 198 रुपए कीमत हुई कम

नई दिल्ली ।

पेट्रोलियम कंपनियों ने शुक्रवार सुबह कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बड़ी कटौती कर दी है। दिल्ली में अब 19 किलोग्राम वाला एलपीजी सिलेंडर 1 जुलाई से 198 रुपए सस्ता हो गया है। पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल ने देश के चारों महानगरों में कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम घटाए हैं। इसमें सबसे ज्यादा कटौती दिल्ली में ही की गई है, जबकि कोलकाता में सबसे कम कीमत घटाई गई है। कंपनियों ने घरेलू उपभोक्ताओं को कोई राहत नहीं दी जिससे 14.2 किलोग्राम वाला रसोई गैस सिलेंडर पहले के ही दाम पर मिलता रहेगा। इसमें आखिरी बार 19 मई को बदलाव किया गया था। इंडियन ऑयल के मुताबिक दिल्ली में इंडेन का गैस सिलेंडर 198 रुपए सस्ता हुआ है, जबकि कोलकाता में इसकी कीमतों में 182 रुपए की कमी आई है। मुंबई में 19 किलोग्राम वाला एलपीजी सिलेंडर 190.50 रुपए सस्ता हुआ जबकि चेन्नई में 187 रुपए कीमत घट गई है।

सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में लगातार दूसरे महीने कटौती की है। इससे पहले जून में 19 किलोग्राम वाला सिलेंडर 135

रुपए सस्ता हुआ था। इसका मतलब है कि एक महीने के भीतर ही इसकी कीमतों में 333 रुपए की गिरावट आ चुकी है। इसके उलट घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में पिछले महीने दो बार बढ़ोतरी की गई और दिल्ली में इसकी कीमत 1,003 रुपये पहुंच गई. तब कंपनियों ने 53.50 रुपए की बढ़ोतरी की थी। कंपनियों का कहना है कि ग्लोबल मार्केट में क्रूड के दाम बढ़ने की वजह से गैस की कीमतों में बढ़ोतरी करनी पड़ रही है।

नए ओएस में स्पैम और मैसेज को कर सकेंगे अलग

-ऐपल एसएमएस फिल्टर को बना रहा बेहतर

नई दिल्ली। जानी-मानी कंपनी ऐपल ने आईओएस 16 के एक और खास फीचर्स का ऐलान कर दिया है। कंपनी के अनुसार, भारतीय यूज़र्स नए ओएस में स्पैम और ज़रूरी मैसेज को अलग-अलग कर सकेंगे। ऐपल ने एसएमएस फिल्टर को बेहतर बना रहा है, और स्पैम कम्यूनिकेशन के लिए इसमें 12 अडिशनल फीचर्स को ऐड कर रहा है। जानकारी के मुताबिक इस फीचर को खासतौर पर भारतीय आईफोन यूज़र्स के लिए पेश किया जा रहा है। आईफोन यूज़र्स अपने कम्यूनिकेशन से अपने ऐपल वॉलेट अकाउंट या कैलेंडर में मूवी या ट्रेन टिकट आसानी और जल्दी से जोड़ सकेंगे।

बता दें कि रिपोर्ट के मुताबिक एप्पल का नया सॉफ्टवेयर अपग्रेड सितंबर में सभी यूज़र्स के लिए शुरू हो गया है और इसमें कई क्षमताएं शामिल हैं।एक स्टडी के मुताबिक इसमे 12 सब-कैटेगरी होंगी, जिनमें क्रेडिट या डेबिट कार्ड के लिए चेतावनी, बिल भुगतान, वित्त, सरकारी सेवाएं, नेटवर्क प्रदाता, स्वास्थ्य सेवा और ऑनलाइन ऑर्डर शामिल हैं। ऐपल आईओएस 16 में लॉक स्क्रीन विजेट, अलर्ट समेत कई तरह के सुधार किए गए हैं, जिससे ये पूरी तरह से नया अपग्रेड बन गया है। जानकारी के मुताबिक, 15 मिनट के भीतर, यूज़र्स आई मैसेज पर भेजे गए टेक्स्ट को 15 मिनट के अंदर ही एडिट कर सकते हैं। एप्पल ने भारत में ग्राहकों के लिए बैक टू स्कूल प्रोग्राम के तहत नए ऑफर्स का ऐलान किया है। प्रोग्राम के तहत यूनिवर्सिटी के छात्र और शिक्षक एप्पल एजुकेशन प्राइजिंग के साथ योग्य आईपैड और मेक पर बचत कर सकते हैं।

छूट के साथ ग्राहकों को मुफ्त एयरपॉड्स और 6 महीने के लिए ऐपल म्यूजिक भी मुफ्त मिलेगा। कंपनी ने उन योग्य डिवाइस लिस्ट का खुलासा किया है जिन्हें डिस्काउंट प्राइज़ पर खरीदा जा सकता है। बता दें कि ग्राहक एप्पल केयर+ पर 20 प्रतिशत की छूट पा सकते हैं। एप्पल एजुकेशन प्राइजिंग ऑफर लाइव है और ग्राहक इसका फायदा 22 सितंबर तक उठा सकते हैं।

ई-वाहनों में बेसिक सेफ्टी सिस्टम की कमी से लग रही आग

घटनाओं की जांच कर रहे एक्सपर्ट पैनल ने कहा

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर वाहनों में बेसिक सेफ्टी सिस्टम की कमी है। सरकार इस कमी को ठीक करने के उपाय और निर्माताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकती है। यह कमी इलेक्ट्रिक वाहनों में आग लगने की घटनाओं की जांच कर रहे एक एक्सपर्ट पैनल ने पाई है। पैनल से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि पैनल को ज्यादा गर्म बैटरियों के लिए ऊर्जा जारी करने के लिए कोई वेंटिंग सिस्टम नहीं मिला और बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम में गंभीर कमी पाई गई थी। कई इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन केवल न्यूनतम कार्यक्षमता के साथ आते हैं और वाहन सुरक्षा को प्राथमिकता देने के बजाय शॉर्टकट ले लिए जाते हैं। पैनल एक सप्ताह के भीतर अपनी अंतिम रिपोर्ट सरकार को सौंप सकती है। लेकिन वे पहले ही ईवी निर्माताओं के साथ अपनी सुरक्षा सिफारिशें शेयर कर चुके हैं।सरकार की ओर से गठित जांच कमेटी ने पिछले हफ्ते पाया था कि इलेक्ट्रिक स्कूटरों में आग लगने की वजह बैटरी के डिजाइन में खामी है। विशेषज्ञ अब अपने वाहनों में संबंधित बैटरी मुद्दों को हल करने के लिए ईवी निर्माताओं के साथ व्यक्तिगत रूप से काम करेंगे। टीम

ने ओकिनावा ऑटोटेक, बूम मोटर, प्योर ईवी, जितेंद्र ईवी और ओला इलेक्ट्रिक से संबंधित ई-स्कूटर में आग लगने की घटनाओं को अपनी जांच मे शामिल किया था। बता दें कि हाल ही में देश के कई हिस्सों में इलेक्ट्रिक स्कूटरों में आग लगने की घटनाएं हुई हैं, जिससे निर्माताओं को अपने वाहनों को वापस बुलाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। ओकिनावा ऑटोटेक ने 3,000 से अधिक इकाइयों को वापस बुलाया था, जबकि प्योरईवी ने लगभग 2,000 इकाइयों के लिए इसी तरह रिकॉल किया था। हाल ही में उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के तहत काम करने वाली केंद्रीय मानक-निर्धारण एजेंसी भारतीय मानक ब्यूरो ने इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरियों में आवश्यक न्यूनतम मानकों को बनाए रखने के लिए नए मानक तय किए हैं। नए मानकों के तहत बैटरियों को परफॉर्मेंस, विश्वसनीयता और इलेक्ट्रिक कार्यक्षमता के आधार पर टेस्ट से गुजरना होगा।

12 मिनट में चार्ज होगा आईक्यूओ 10 पीआरओ स्मार्टफोन

-अगले महीने हो सकता है लॉन्च

नई दिल्ली ।

आईक्यूओ कंपनी एक मोबाइल लेकर आर रही है, जो चार्ज होने में केवल 12 मिनट का समय लेगा। रिपोर्ट का मुताबिक कंपनी अपने आईक्यूओ 10 प्रो फोन को अगले महीने लॉन्च करेगी। इससे पहले शाओमी ने 11आई हाइपरचार्ज फोन पेश किया था, जो 20 मिनट में फुल चार्ज हो जाता है। जानकारी के मुताबिक, आईक्यूओ 10 प्रो की 200डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग मोबाइल फोन के चार्जिंग टाइम को और कम कर देगा। इसकी बैटरी को 0 से 100 प्रतिशत तक चार्ज करने में सिर्फ 12 मिनट का समय लगता है। फास्ट चार्जिंग के अलावा फोन में क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 8+ जनरेश 1 फ्लैगशिप प्रोसेसर मिलेगा। इस प्रोसेसर के कोर्टेक्स-एक्स2 सुपर कोर की अधिकतम फ्रिक्वेंसी को बढ़ाकर 3.2जीएचझेड कर दिया गया है। इसमें टीएएमसी प्रोसेस के रिप्लेसमेंट और पावर कन्सम्शन और हीट जनरेशन के अनुकूलन बनाया गया है। इससे इसकी प्रफोर्मेंस स्नैपड्रैगन 8+ जीईन 1 से बेहतर होने की उम्मीद है। ऐसी रिपोर्टें हैं कि आईक्यूओ 10 सीरीज 2के+120एचझेड एलटीपीओ हाई-ब्रश लचीली स्क्रीन का उपयोग करेगी। यह

डिवाइस स्क्रीन के नीचे बड़े एरिया वाले अल्ट्रासोनिक फिंगरप्रिंट के साथ आएगा। अगर बात करें इसके कैमरे की, तो इस डिवाइस में 50-मेगापिक्सल के आउटसोल मेन कैमरा मिलेगा। गौरतलब है कि आईक्यूओ 10 सीरीज वी1 आईएसपी चिप के साथ आएगा। यह नाइट सीन में शानदार इमेजिंग इफेक्ट देगा।

यह ब्लैक लाइट नाइट विजन इफेक्ट को भी प्राप्त कर सकता है और आप फोटो प्रीव्यू इंटरफेस में रीयल-टाइम में फिल्म की ब्राइटनेस के इफेक्ट देख सकते हैं। बेशक, यह बाजार में सबसे तेज चार्जिंग वाला स्मार्टफोन होगा। इसके अलावा, आईक्यूओ 10 सीरीज भी 200 डब्ल्यू चार्जिंग हेड के साथ आएगी। बता दें कि हाल के वर्षों में स्मार्टफोन की चार्जिंग तकनीक में काफी सुधार देखने को मिला है। मोबाइल कंपनियां अब अपने स्मार्टफोन में फास्ट चार्जिंग का फीचर दे रही हैं।

भारत में पहली बार होगी फार्मूला वन रेस

नई दिल्ली । भारत में पहली बार होगी फार्मूला वन रेस का आयोजन होगा। आयोजकों के अनुसार यह रेस अगले साल 11 फरवरी को हैदराबाद में होगी। देश में यह पहली बड़ी अंतरराष्ट्रीय रेस होगी जो हैदराबाद में आयोजित की जाएगी। इससे पहले अक्टूबर 2013 में भारत में फार्मूला वन इंडियन ग्रां प्री का आयोजन हुआ था। भारत के अलावा ब्राजील भी 25 मार्च को पहली बार फार्मूला ई रेस का आयोजन करेगा। फार्मूला ई और मोटरस्पोर्ट्स की संचालन संस्था फिया ने आगामी नौवें सत्र (2022-23) का अस्थाई कार्यक्रम जारी किया है। इसमें दो बड़े मोटरस्पोर्ट्स स्थलों में पहली बार फार्मूला ई रेस का आयोजन होगा। चैंपियनशिप का चौथा दौर भारत के हैदराबाद में 11 फरवरी को होगा जबकि ब्राजील के प्रशंसक 25 मार्च को सातवें दौर में साओ पाउलो में ई-रेस देख पाएंगे।

बीसीसीआई ने इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 सीरीज के लिए घोषित की टीम

उमरान , हुडा टी20 , अर्शदीप , ईशान दोनो प्रारुपों के लिए शामिल

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित कर दी है। रोहित शर्मा वापसी करते हुए इन दोनो ही सीरीज में कप्तानी संभालेंगे। वहीं पूर्व कप्तान विराट कोहली, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह जैसे अनुभवी खिलाड़ी पहले टी20 में नहीं खेलेंगे पर वह अंतिम 2 टी20 मैचों में शामिल किये गये हैं। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान खींचने वाले युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को टी20 के साथ ही एकदिवसीय टीम में भी जगह मिली है जबकि उमरान मलिक को केवल टी20 टीम में ही जगह मिली है। ऋतुराज गायकवाड़ और संजू सैमसन को केवल पहले टी20 मैच के लिए टीम में जगह दी गई है।

टी20 और एकदिवसीय सीरीज के मुकाबले 7 जुलाई से शुरू होंगे, जो 17 जुलाई तक चलेंगे। उमरान को तीनों टी20 के लिए टीम में जगह मिली है पर वह एकदिवसीय टीम में जगह नहीं बना सके हैं। इससे साफ है कि उन्हें अभी इस प्रारुप के लिए अपने को तैयार करना होगा। वहीं बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप दक्षिण अफ्रीका और आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान टीम में शामिल थे पर उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिला था।

अर्शदीप को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 के लिए टीम में जगह मिली है पर अंतिम 2 मैच के लिए वे बाहर है। सैमसन और ऋतुराज पहले टी20 के लिए तो चुने गए हैं पर अंतिम 2 के लिए वे टीम में जगह नहीं बना सके हैं। दीपक हुडा और ईशान किशन तीनों टी20 के लिए चुने गए हैं। ईशान को तो एकदिवसीय सीरीज के लिए भी टीम में जगह मिली है।

इंग्लैंड सीरीज के लिए टीम इस प्रकार है

एकदिवसीय सरीज के लिए भारतीय टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), शिखर धवन, ईशान किशन, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह.

पहले टी20 के लिए भारतीय टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), ईशान किशन, ऋतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुडा, राहुल त्रिपाठी, दिनेश कार्तिक, हार्दिक पंड्या, वेंकटेश अय्यर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, आवेश खान, अर्शदीप सिंह और उमरान मलिक.

दूसरे और तीसरे टी20 के लिए भारतीय टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), ईशान किशन, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुडा, श्रेयस अय्यर, दिनेश कार्तिक, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, आवेश खान और उमरान मलिक।

कप्तानी करना मेरे करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि : बुमराह

बर्मिंघम ।

इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान बनाये गये तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इससे बेहद उत्साहित हैं। बुमराह टीम की कप्तानी संभालने को अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि मानते हैं। उन्होंने कहा कि वह इससे गर्व का अनुभव कर रहे हैं। नियमित कप्तान रोहित शर्मा के कोरोना संक्रमित होने के कारण बुमराह को टीम की कप्तानी मिली है। बुमराह ने कहा, 'दबाव होने पर सफलता का आनंद ही कुछ और होता है। मैं जिम्मेदारियों के लिए हमेशा तैयार हूं और मुझे चुनौतियां पसंद है। एक क्रिकेटर के तौर पर आप हमेशा अपने आप को दबाव के हालात में आंकना चाहते हैं। मैंने कई क्रिकेटरों से बात की है, जो समय के साथ निखरते गए हैं।' उन्होंने कहा कि मुझे याद है जब मैंने पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी से बात की थी। उन्होंने मुझे बताया था कि पहली बार भारत की कप्तानी करने से पहले वह किसी टीम के कप्तान नहीं थे जबकि अब वह सबसे सफल कप्तानों में से एक माने

जाते हैं। बुमराह ने कहा कि मैं इस पर ध्यान दे रहा हूं कि टीम की सहायता कैसे कर सकता हूं। इस पर नहीं कि मैंने पहले क्या किया है या क्रिकेट की परंपरा या नियम कैसे बने हैं। बुमराह ने कहा कि देश के लिए टेस्ट खेलना हमेशा मेरा सपना था और टेस्ट मैच में कप्तानी करना मेरे करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि है। मुझे खुशी है कि मुझे यह मौका मिला। मुझे अपने पर काफी भरोसा है , साथ ही कहा कि उनकी टीम इस चुनौती के लिए तैयार है।

डायमंड लीग : नीरज ने 89.34 मीटर भाला फेंककर नया राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया

स्टॉकहोम । ओलंपिक स्वर्ण विजेता भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने स्वीडन में जारी डायमंड लीग चैम्पियनशिप में 89.34 मीटर भाला फेंककर नया राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया है। नीरज ने करीब 15 दिन पहले ही फिनलैंड में आयोजित पावो नुरमी खेलों में 89.30 मीटर से ज्यादा दूर तक भाला फेंककर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। नीरज ने इस प्रकार भाला फेंक में दूसरी बार 89 मीटर का आंकड़ा छुआ है। नीरज का इस शानदार प्रदर्शन से इसी माह होने वाले विश्व चैंपियनशिप के लिए मनोबल बढ़ेगा। अमेरिका में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप से पहले नीरज चोपड़ा के लिए यह सबसे बड़ा टूर्नामेंट है। इसमें टोक्यो ओलंपिक के तीनों पदक विजेता शामिल होंगे। नीरज ने अबतक 7 डायमंड लीग खेली हैं। इसमें तीन 2017 में और चार 2018 में खेली थी।

ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को दस विकेट से हराया, लायन ने कपिल को पीछे छोड़ा

गाले ।

स्पिनर नाथन लायन के शानदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया ने यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में मेजबान टीम श्रीलंका को दस विकेट से हरा दिया। इस मैच के तीसरे दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम को जीत के लिए केवल चार रनों का लक्ष्य मिला था जो उसे बिना किसी नुकसान के हासिल कर लिया। इस प्रकार दो टेस्ट मैचों की इस सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम 1-0 से आगे हो गयी है। इस मैच में कंगारु गेंदबाजों के सामने श्रीलंकाई टीम टिक नहीं पायी और पहली पारी में 212 और दूसरी पारी में केवल 110 रनों पर ही आउट हो गयी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से लायन ने पहली पारी में पांच जबकि दूसरी पारी में चार विकेट लिए। इसके साथ ही लायन ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और महान ऑलराउंडर कपिल देव के रिकार्ड को तोड़ दिया। लायन के नाम अब 109 टेस्ट मैचों में 436 विकेट हो गए हैं जबकि कपिल ने 131 मुकाबलों में 434 विकेट लिए थे। इसके साथ ही लायन टेस्ट क्रिकेट के शीर्ष 10 गेंदबाजों की सूची में भी शामिल हो गए हैं। लायन के अलावा टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों की सूची में ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न 708 विकेट और ग्लेन मैक्ग्रा 563 शामिल हैं। वॉर्न सबसे ज्यादा विकेट के मामले में दूसरे जबकि मैक्ग्रा 5वें नंबर पर है।

लायन अब दूसरे टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन और भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को पीछे छोड़ सकते हैं। स्टेन के नाम 93 टेस्ट मैचों में 439 विकेट है जबकि अश्विन ने 86 टेस्ट मैचों में 442 विकेट है। अश्विन आठवें और स्टेन 9वें नंबर पर है।

संक्षिप्त समाचार

विंबलडन : ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी किर्गियोस ने दर्शक की ओर थूका, लगा भारी जुर्माना

विंबलडन : ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी निक किर्गियोस पर विंबलडन टेनिस ग्रैंडस्लैम में पहले दौर की जीत के दौरान खेल भावना के विपरीत आचरण करने के लिए 10,000 डॉलर का जुर्माना लगाया गया। यह टूर्नामेंट में अभी तक घोषित किया गया सबसे बड़ा जुर्माना है। किर्गियोस ने इस पहले दौर के मैच के बाद हुई प्रेस कांफ्रेंस में स्वीकार किया था कि उन्होंने परेशान कर रहे दर्शक की ओर थूका था। गुरूवार को आल इंग्लैंड क्लब ने मैच के दौरान लगे जुर्माने की राशि की घोषणा की। किर्गियोस के बाद एलेक्जेंडर रिट्सचार्ड पर 5,000 डॉलर का जुर्माना लगा गया जो क्वालीफाइंग में पहले दौर के मैच के दौरान उनके खेल भावना के खिलाफ आचरण के लिए लगा था। सात अन्य खिलाड़ियों पर तीन-तीन हजार डॉलर का जुर्माना लगाया गया जो खेल भावना के विपरीत आचरण या फिर अश्लील शब्द कहने के लिए लगाया गया। कुल पांच महिला खिलाड़ियों पर जुर्माना लगाया जा चुका है। इनमें सबसे बड़ी राशि का जुर्माना दारिया साविले पर पहले दौर में 4,000 डॉलर लगा था जो रैकेट या उपकरण पटकने से संबंधित था।

सरकार ने टेबल टेनिस टीम के पुर्तगाल दौरे को मंजूरी दी, शरत करेंगे दल की अगुआई

नयी दिल्ली, अनुभवी खिलाड़ी अचंता शरत कमल आगामी बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों से पहले तीन से 10 जुलाई तक पुर्तगाल दौरे पर 10 सदस्यीय भारतीय टेबल टेनिस टीम की अगुआई करेंगे। टीम में पांच पुरूष और इतनी ही महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी हैं जिनके साथ दो कोच रमन सुब्रमण्यम और अनिंदिता चक्रवर्ती जायेंगे। शरत के अलावा पुरूष टीम के अन्य सदस्य सानिल शेट्टी, गुणशेखरन साथियान, हरमीत देसाई और मानुष हैं। महिला टीम में श्रीजा अकुला, रीथ टेनिसन, मनिका बत्रा, दिया चिताले और स्वस्तिका घोष शामिल हैं। खेल मंत्रालय ने विदेश मंत्रालय की मंजूरी के अधीन इस दौरे को मंजूरी दी। शरत कमल अपने पांचवें राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लेंगे और वह सबसे ज्यादा अनुभवी हैं। शरत ने भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा आयोजित वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा, '' हम राष्ट्रमंडल खेलों के लिये तैयारियों के अंतिम चरण में पहुंच चुके हैं। हम मैच अभ्यास और ट्रेनिंग शिविर के लिये पुर्तगाल जा रहे हैं। टूर के बाद हंगरी में डब्ल्यूटीटी टूर्नामेंट होगा। '' चार बार के राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता शरत मिश्रित युगल में श्रीजा अकुला के साथ जोड़ी बनायेंगे। शरत ने पिछले गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों में मौमा दास के साथ मिलकर कांस्य पदक जीता था। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने पिछले राष्ट्रमंडल खेलों में सभी टीम स्पर्धाओं में पदक जीते थे जिससे वे तीन स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक के साथ लौटे थे।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम पर कोविड का साया, खिलाड़ी सहित दो सदस्य पाए गए पॉजिटिव

बेंगलुरू ।

राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम के तैयारी शिविर पर बृहस्पतिवार को कोविड-19 का प्रकोप दिखा जब स्ट्राइकर गुरजंत सिंह और मुख्य कोच ग्राहम रीड सहित पांच खिलाड़ी वायरस के लिए पॉजिटिव पाए गए और उन्हें यहां पृथकवास पर रखा गया है। बुधवार सुबह आरटी-पीसीआर परीक्षण किया गया था। संक्रमित लोगों में हल्के लक्षण नजर आ रहे हैं। हॉकी इंडिया ने बिना किसी का नाम लिए मीडिया विज्ञप्ति में कहा, 'राष्ट्रमंडल खेल 2022 की तैयारी कर रही भारतीय पुरुष हॉकी टीम के दो खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के तीन सदस्य कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए हैं। टीम के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, 'गुरजंत और ग्राहम रीड संक्रमित हो गए हैं। टीम का वीडियो विश्लेषक भी पॉजिटिव पाया गया है। यहां भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के परिसर में चल रहे शिविर में 31 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं जिसमें पीआर श्रीजेश, मनप्रीत सिंह, पवन, ललित कुमार उपाध्याय, हरमनप्रीत सिंह, वरूण कुमार और अमित रोहिदास शामिल हैं। खिलाड़ी एफआईएच हॉकी प्रो लीग में बेल्जियम और नीदरलैंड के खिलाफ खेलने के बाद शिविर में पहुंचे हैं। शिविर 23 जुलाई को संपन्न होगा जिसके बाद टीम बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के लिए रवाना होगी।

फीडे कैंडीडेट्स शतरंज - अलीरेजा को हराकर नेपोमिन्सी खिताब के करीब

मेड्रिड ,स्पेन (निकलेश जैन) फीडे कैंडीडेट 2022 के ग्यारवें राउंड में सबसे आगे चल रहे रूस के यान नेपोमिन्सी नें फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा को मात देते हुए ना सिर्फ प्रतियोगिता में अपनी पाँचवीं जीत हासिल की बल्कि अब जब सिर्फ 3 राउंड का खेल बचा है 1.5 अंक की बढ़त के साथ वह खिताब जीतने के बेहद करीब पहुँच गए है । काले मोहरो से खेल रहे नेपोमिन्सी नें सिसिलियन नजडोर्फ ओपनिंग में 35 चालों में शानदार जीत के साथ 8 अंको के साथ अपनी एकल बढ़त को बनाए रखा है । वहीं दिन का दूसरा बड़ा परिणाम हासिल किया चीन के डिंग लीरेन नें उन्होने यूएसए के फबियानों कारुआना को पराजित करते हुए अब 6.5 अंको के साथ दूसरा स्थान हासिल कर लिया है । 11वे राउंड में अन्य दो मुकाबलों में यूएसए के हिकारु नाकामुरा नें हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट से तो अजरबैजान के तैमूर रद्जाबोव नें पोलैंड के यान डूड्रा से बाजी ड्रॉ खेली । अन्य खिलाड़ियों में नाकामुरा 6 अंक के साथ तीसरे ,5.5 अंक के साथ कारुआना चौथे स्थान पर चल रहे है

एफसी गोवा ने गोलकीपर अर्शदीप सिंह से 2 साल का किया करार

पणजी : इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल टीम एफसी गोवा ने बृहस्पतिवार को गोलकीपर अर्शदीप सिंह से दो साल का अनुबंध करने की घोषणा की। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की एलीट अकादमी के साथ करियर की शुरुआत करने वाले अर्शदीप पंजाब स्थित आईलीग टीम मिनर्वा पंजाब एफसी का भी हिस्सा थे। चौबीस साल का यह गोलकीपर 29 मैच खेला और 2017-18 में क्लब की आईलीग खिताबी जीत का हिस्सा रहा। एफसी गोवा से अनुबंध से पहले अर्शदीप एक अन्य आईएसएल टीम ओडिशा एफसी का हिस्सा रहे। वह टीम की ओर से तीन सत्र में 33 मैच खेले और इस दौरान टूर्नामेंट में कुल 116 गोल बचाए। अर्शदीप ने कहा- यह मेरे लिए सपना साकार होने की तरह है। मैं हमेशा एफसी गोवा की ओर से खेलना चाहता था इसलिए इन गर्मियों में जब मुझे यह मौका मिला तो मुझे शर्तों को स्वीकार करने से पहले दोबारा नहीं सोचना पड़ा।

विश्व कप में बेहतर प्रदर्शन करना है मेरा लक्ष्य : सुशीला

एम्सटेलवीन ।

भारतीय महिला हॉकी टीम की अनुभवी मिडफील्डर सुशीला चानू चोटिल होने के कारण 2018 एफआईएच हॉकी विश्व कप में नहीं खेल पायीं थी। अब सुशीला का लक्ष्य तीन जुलाई से शुरु हो रहे विश्व कप सत्र में अच्छा प्रदर्शन करना है। नीदरलैंड में वह पहली बार विश्व कप खेलने जा रही हैं। इस मिडफील्डर ने कहा कि मैं चोट के कारण लंदन में हुए विश्व कप ओर उसके बाद एशियाई खेलों में भी नहीं खेल पाई थी। इसके बाद मुझे फॉर्म को लेकर संघर्ष भी करना पड़ा हालांकि मैंने टीम में वापसी करते हुए अपनी जगह बनायी है। विश्व कप में भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत तीन जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ करेगी।

सुशीला ने कहा कि टीम की मेरी कई साथी दूसरी बार विश्व कप में खेल रही हैं लेकिन मेरा यह पहला विश्व कप है। यह मेरे लिए एक भावुका क्षण है और मुझे निश्चित तौर पर भारोसा है कि यह हमारे लिए यादगार होगा।

गौरतलब है कि सुशीला एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर और भुवनेश्वर में एफआईएच सीरीज फाइनल्स में जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम में शामिल रहीं थीं। सुशीला ने टोक्यो ओलंपिक में भी अच्छा प्रदर्शन किया था।

सुशीला ने कहा कि पिछले सप्ताह रोटरडम में हमारे प्रो लीग मुकाबलों के तुरंत बाद हम एम्सटेलवीन पहुंचे। हमें टीम होटल में सहज होने का पर्याप्त समय मिला और हम विश्व कप आयोजन स्थल पर भी ट्रेनिंग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर सभी अपना सौ फीसदी देने को लेकर उत्साहित हैं।

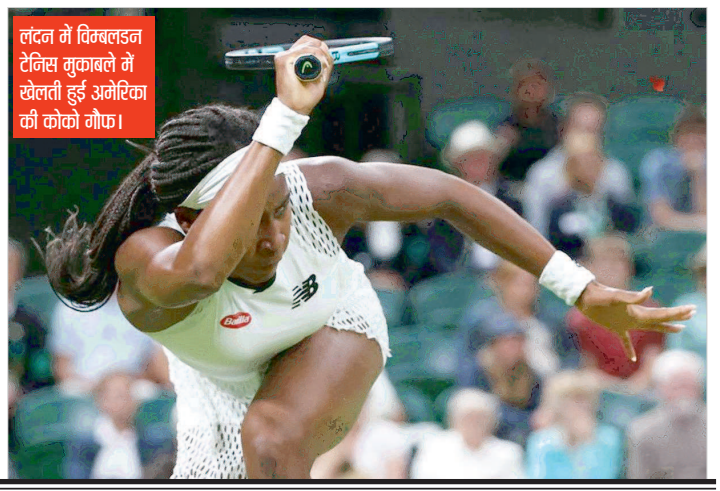

लंदन में विम्बलडन टेनिस मुकाबले में खेलती हुई अमेरिका की कोको गौफ।

गुजरात में कोरोना के 632 नए मरीज, 38 4 लोग ठीक होकर घर लौटे, एक मौत

अहमदाबाद।

गुजरात में कोरोना फिर एक बार तेजी से पैर पसारने लगा है। शुक्रवार को राज्यभर में कोरोना के 632 नए मरीज सामने आए हैं, वहीं 384 ठीक होकर अपने घर लौट गए। लगातार बढ़ते कोरोना मामलों के चलते रिकवरी रेट 98.8 5 प्रतिशत रह गया है। दक्षिण गुजरात के वलसाड में कोरोना से एक मरीज की मौत हो गई। दूसरी ओर राज्यभर में आज 48047 कोविड के डोज दिए गए।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में कोरोना के सबसे अधिक 258 नए केस दर्ज हुए। वहीं सूरत कॉर्पोरेशन में 85, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 42, वलसाड में 33, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 32, मेहसाणा में 30, नवसारी में 18, सूरत में 18, कच्छ में 14, राजकोट कॉर्पोरेशन में 14, गांधीनगर में 11, पाटन में 11, भावनगर कॉर्पोरेशन में 8, देवभूमि द्वारका में 7, राजकोट में 7, साबरकांठा में 6, भरुच में 5, अहमदाबाद में 4, आणंद में 4, जामनगर कॉर्पोरेशन में 4, मोरबी में 4, वडोदरा में 4, अमरेली, भावनगर, खेडा, सुरेन्द्रनगर में 2-2, बनासकांठा, दाहोद, गिर सोमनाथ, पंचमहल और तापी में 1-1 समेत राज्यभर में कुल 632 नए केस पिछले 24 घंटों में दर्ज हुए। इस दौरान 384 लोग ठीक होकर अपने घरों को लौट गए। राज्य में अब तक 1218426 लोग कोरोना से स्वस्थ हो चुके हैं।

वलसाड जिले में कोरोना से एक मरीज की मौत के साथ राज्य में अब तक 10947 मरीज अपनी जान गंवा चुके हैं। दूसरी ओर टीकाकरण अभियान के तहत आज 18 वर्ष से अधिक आयु के 1712 को पहला और 10294 को दूसरा डोज दिया गया। 15 से 17 आयु के 750 को पहला और 3929 को दूसरा टीका लगाया गया। 20166 नागरिकों को राज्य में प्रीकॉशन डोज दिया गया। जबकि 12 से 14 वर्षीय 5147 किशोरों को पहली और 6049 को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई। राज्य में अब तक 11 करोड़ 14 लाख 80 हजार 896 कोविड के डोज दिए जा चुके हैं।

गुजरात के कई शहरों में भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न

अहमदाबाद।

उडीसा के पुरी के बाद गुजरात के अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथ जी की सबसे बड़ी रथयात्रा निकाली जाती है। केवल अहमदाबाद ही नहीं बल्कि राज्य के कई शहरों में भी रथयात्रा का आयोजन किया जाता है। अषाढी दूज पर राज्य के कई शहरों में रथयात्रा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गई है। इन शहरों में वडोदरा, पालनपुर, भावनगर, शामलाजी, ईडर, दमन-दादरा नगर हवेली, राजकोट और सुरेन्द्रनगर जिले में 7 जगह भगवान नगर चर्या को निकले। मध्य गुजरात के वडोदरा में भगवान जगन्नाथजी की 41वीं रथयात्रा निकली। भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र एक ही रथ में सवार होकर नगर चर्या को निकले। कोरोनाकाल के दो साल बाद हर्षोल्लास के बीच भगवान नगरवासियों को दर्शन देने निकले थे। पहली बार रथयात्रा में 30 टन हलुवा, केला, जामून का प्रसाद भक्तों में बांटा गया। रथयात्रा के लिए करीब ढाई लाख के फूल मंगवाए गए थे। थाईलैंड से मंगवाए गए विशेष पुष्प भगवान को समर्पित किए गए। उत्तरी गुजरात के बनासकांठा जिले के पालनपुर में पिछले 51 वर्षों से रथयात्रा का आयोजन किया जाता है। दो साल कोरोना संकट के कारण भगवान नगर चर्या को नहीं निकले थे। जिससे आज बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान के दर्शन की प्रतीक्षा करते दिखाई दिए। 51 साल में पहली बार पालनपुर में भगवान को उनके ननिहाल ले जाया गया था। पहली बार पालनपुर में रथयात्रा का 13 किलोमीटर लंबा रूट तैयार किया गया। रथयात्रा के दौरान 1300 किलो मूंग, जामून और ककडी प्रसाद स्वरूप वितरित की गई। रथयात्रा के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। सौराष्ट्र के भावनगर में भगवान जगन्नाथ की 3 रवीं रथयात्रा कड़े सुरक्षा इंतजाम के बीच निकली। भावनगर के राज परिवार के विजयराजसिंह ने पूजा विधि के बाद रथयात्रा का प्रस्थान कराया। रथयात्रा के दौरान भावनगर में बारिश भी हुई। राजमहल के निकट पहुंचने पर गरज के साथ मेघा ने रथयात्रा का स्वागत किया।

वहीं सुरेन्द्रनगर जिले में । जगहों पर रथयात्रा निकाली गई। जिले के पाटडी, ध्रांगध्रा और सुरेन्द्र शहर में 5 समेत । रथयात्रा निकली। कोरोनाकाल के दो साल बाद आज रथयात्रा निकलने पर श्रद्धालुओं में जबर्दस्त उत्साह था। राजकोट में दो साल बाद निकली रथयात्रा से पूरा शहर जगन्नाथमय हो गया। रथयात्रा के रूट पर ड्रोन कैमरे से पुलिस की बाज नजर रही। रथयात्रा के रूट पर 300 किलो मूंग का प्रसाद वितरण किया गया। उत्तरी गुजरात के अरवल्ली जिले के शामलाजी और ईडर में भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा निकाली गई। शामलाजी मंदिर से चांदी के रथ में सवार होकर भगवान भक्तों को दर्शन निकले। हांलाकि मंदिर परिसर में सात चक्कर लगाकर रथयात्रा पूर्ण कर ली गई। शामलाजी में रथयात्रा के दौरान बूंदा बांदी हुई। गुजरात से सटे संघ प्रदेश दमन और दादरा नगर हवेली में भगवान जगन्नाथ जी की भक्तिभाव से रथयात्रा निकाली गई।

कांग्रेस शासन में रथयात्रा सुरक्षित नहीं थी, लोगों में डर फैल जाता था : अमित शाह

गांधीनगर।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज गुजरात में कांग्रेस पर कड़े प्रहार किए। गांधीनगर जिले के रूपाल में वरदायिनी माता मंदिर ट्रस्ट की ओर से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस के शासन में रथयात्रा का समय आते ही लोगों में दहशत फैल जाती थी। दंगे और गोलियां चलती थीं। दो बार तो भगवान के रथ तक ले गए थे। तीन बार रथयात्रा पर रोक लगा दी गई थी। लेकिन गुजरात की जनता ने जब से भाजपा के हाथ सत्ता कमान कमान सौंपी है तब से रथयात्रा सुरक्षित और कर्फ्यूमुक्त माहौल में हर्षोल्लास के साथ निकाली जाती है। पहले गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में

रथयात्रा सुरक्षित निकलती थी और अब गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी इसका ध्यान रख रहे हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि रूपाल वह गांव है, महाभारत काल से इतिहास का गवाह है। यहां वही वरदायिनी माता बिराजमान हैं जहां पांडवों ने एक साल का अज्ञातवास पूर्ण किया था। रूपाल के विख्यात मंदिर को पीएम मोदी ने प्रसाद योजना के तहत शामिल कर लिया है। कोरोनाकाल के दौरान भी रूपाल में पल्ली यात्रा रुकी नहीं थी। वर्ष 2024 में भाजपा को वोट देने का समय आएगा, तब तक रूपाल इतना बदल चुका होगा कि इसे पहचानना भी मुश्किल होगा। रूपाल में तालाब बनने के बाद इसका लोकार्पण करने मैं स्वयं आऊंगा। तालाब में बोटिंग समेत हर जरूरत की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं ने स्वच्छता के लिए जो अभियान शुरू किया है, उसके लिए वह अभिनंदन की पात्र हैं। मेरे 5 आदर्श गांव में से गांधीनगर जिले के 3 गांव देश के टॉप 5 आदर्श गांव में शामिल हैं। जिसमें भीलेश्वर गांव ने पहला स्थान हासिल किया है। शाह ने कहा कि मैं जब । साल का था तब मेरी माता मुझे ट्रेक्टर में रूपाल लेकर यहां आई थी। गांधीनगर जिले के वासणिया महादेव से मेरी यादें जुड़ी हुई हैं। आज वासण गांव के तालाब के नवीनीकरण के लिए भूमिपूजन किया है। वासणिया गांव के तालाब में बोटिंग समेत अन्य व्यवस्था लोगों को उपलब्ध होंगी। गुजरात दौरे पर आए केन्द्रीय अमित शाह ने शुक्रवार को दिन की शुरुआत अहमदाबाद के भगवान जगन्नाथ मंदिर में मंगला आरती के साथ की। मंगला आरती के बाद अमित शाह ने गांधीनगर जिले के कलोल 750 बेड के प्रेमस्वरूप स्वामी मल्टी स्पेशयालिटी होस्पिटल को शिलान्यास किया और उसके बाद रूपाल में वरदायिनी माता मंदिर ट्रस्ट के अनेक विकास कार्यों का उदघाटन किया। अपने संबोधन के दौरान अमित शाह ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में 387 मेडिकल कॉलेज थे, जो पिछले 8 साल में बढ़कर 600 के पार हो गए हैं। 22 नए एम्स बनाए हैं और 57 कॉलेजों में सीटों की संख्या बढ़ाई है। नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद गरीब परिवारों के लिए आयुष्यमान योजना बनाई और उसका अमलीकरण किया। इस योजना में देश के 60 करोड़ लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो रही है। अमित शाह ने आज कहा कि 2 ऑवर ब्रिज का शिलान्यास किया गया है। विश्व उमिया धाम तक फोर लेन बनाया जा रहा है।

गुजरात ने 99.97 फीसदी ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ा

गांधीनगर ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया के जरिए 'नया भारत' के निर्माण के स्वप्न को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ते हुए गुजरात सरकार ने भारतनेट प्रोजेक्ट के माध्यम से 99.97 फीसदी ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी से जोड़ दिया है। राज्य में अभी भारतनेट प्रोजेक्ट के अंतर्गत 35,000 किलोमीटर से अधिक लंबाई वाले अंडरग्राउंड केबल बिछाए गए हैं। इस कनेक्टिविटी के कारण ग्रामीण क्षेत्रों सहित पूरे गुजरात में सभी सरकारी सेवाएं नागरिकों को घर बैठे ही प्राप्त होगी। गुजरात के लिए यह गर्व की बात है कि फिलहाल राज्य के 'स्टेटलेड' मॉडल से देश के 9 राज्यों में भारतनेट-2 का कार्यान्वयन किया जा रहा है। इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने कहा, ''गुजरात ने 'जहाँ मानव, वहाँ सुविधा' के मंत्र को साकार करने के लिए विभिन्न डिजिटल प्रोजेक्ट्स शुरू किए हैं। राज्य की लगभग सभी ग्राम पंचायतों में ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी की सुविधा पहुँच चुकी है। इससे दूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग भी अब विभिन्न सरकारी सेवाओं का लाभ सुलभता से ले सकेंगे। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि राज्य के प्रत्येक नागरिक तक सरकारी सेवाओं की डिजिटल पहुँच हो।

ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी के कारण डिजिटल सेवा सेतु कार्यक्रम को मिलेगी और तेज गति

शुरुआती वर्षों में कनेक्टिविटी सहित अन्य दूसरी समस्याओं के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में अपेक्षित सेवाओं को पहुंचाने में कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक राज्य सरकार की सेवाएँ पहुँचे इसे सुनिश्चित करने के लिए 2020 में डिजिटल सेवा सेतु की शुरुआत की गई थी। ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी के कारण डिजिटल सेवा सेतु कार्यक्रम को एक नई गति मिलेगी। वर्तमान में इस कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य सरकार के 11 विभागों की लगभग 312 सेवाएं 14,000 से अधिक ग्राम पंचायतों में सुलभ कराई जा रही हैं। इस कार्यक्रम के जरिए अब तक 70 लाख से अधिक नागरिकों के आवेदनों का सफल निस्तारण किया गया है।

ट्रेन्ड्स भारत की सबसे बड़ी फैशन बिक्री का प्रतिनिधित्व करते हैं - ट्रेन्ड्स खरीदारी महोत्सव

सूरत भूमि, सूरत।

ऐपेरल्स के रिटेल सेगमेंट में अग्रणी ब्रांड शॉपिंग फेस्टिवल मना रहा है। ट्रेंड्स, भारत का सबसे बड़ा फैशन रिटेलर, जो अपने ऑन-ट्रेंड नवीनतम स्टाइल और हाई-ऑन फैशन के लिए जाना जाता है, अपनी सबसे लोकप्रिय फैशन बिक्री - ट्रेंड्स शॉपिंग फेस्टिवल के साथ भारत के फैशन बाजार को बढ़ावा देने के लिए तैयार है। ट्रेंड्स अपने ग्राहकों के लिए बेहतरीन फैशन और ब्रांड लाने के लिए तैयार है ट्रेंड शॉपिंग फेस्टिवल फैशन का अब तक का सबसे ज्यादा बिकने वाला माध्यम है।

जिसमें एक खास ऑफर पेश किया गया है 3499 रुपये में खरीदें और 3499 रुपये में मर्चेंडाइज फ्री पाएं, जो मेन्स वियर, किड्स वियर और वुमन वियर की विस्तृत श्रृंखला पर उपलब्ध है। पूरे देश में ग्राहकों के लिए आकर्षक कीमतों, सुनिश्चित उपहारों, पुरस्कारों और प्वॉइंट्स के साथ उपलब्ध है। ट्रेंड्स शॉपिंग फेस्टिवल सेल सबसे सम्मोहक कारण बताए बिना बहुत मुश्किल है।

ग्राहकों को उनकी सभी फैशन जरूरतों के लिए खरीदारी करने में सक्षम बनाने के लिए आपको कीमतों में गिरावट और बेजोड़ सौदों पर नवीनतम स्टाइल मिलेंगे। ट्रेंड देश के फैशन के प्रति उत्साही लोगों के लिए एक रिटेलर बन गया है और विशेष रूप से क्यूरेट किए गए पुरुषों और महिलाओं के वस्त्र और सहायक उपकरण का एक संग्रह लाता है।

वॉव विंग्स फॉर ड्रीम्स द्वारा मी एंड मम्मी किड्स फैशन शो-2022 का आयोजन

सूरत भूमि, सूरत। वॉव विंग्स फॉर ड्रीम्स द्वारा मी एंड मम्मी किड्स फैशन शो-2022 का आयोजन किया। फैशन शो में सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, भरूच सहित राज्य के विभिन्न छोटे और बड़े शहरों के बच्चों ने भाग लिया और फैशन शो को सफल बनाया।

फैशन शो की आयोजक वॉव विंग्स फॉर ड्रीम्स की प्रीति बोकडिया जैन ने कहा कि जब मी एंड मम्मी किड्स फैशन शो 2022 के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हुआ। सूरत के अलावा वडोदरा, अहमदाबाद, भरूच, नवसारी और वलसाड सहित कई छोटे और बड़े शहरों के बच्चों ने भाग लिया। इन सभी बच्चों को तैयार कर प्रशिक्षित किया गया और विभिन्न राउंड के बाद 30 बच्चों को फाइनल राउंड के लिए चुना गया। सूरत में आयोजित फैशन शो में कॉर्पोरेटर रश्मि साबू, भरतभाई काचीवाला, गौरव चावड़ा, संजय अग्रवाल, प्रियंका जैन रावल, नेमीचंद जांगिड़ विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे जबकि जूरी के रूप में निकिता केसवानी, धर्मेश डुमसिया, धारा गडरा, ध्वलिन शुक्ला उपस्थत थे. क्राउन पार्टनर के रूप में प्रेशा क्रिएशन और प्रायोजक के रूप में एस.के. इन्वेस्टमेंट, सुरकैवलयम म्यूजिक क्लासेस के साथ-साथ हर्ष एसोसिएशन और एंकरिंग के मान्तु हेल्डर थे। ग्रुमिंग के लिए नीरजा कलावटिया और मि. यश थोरात ने सेवा दी। जबकि शान खन्ना और आर्यन कुमार हजार सेलिब्रिटी रूप में उपस्थित थे। मनीष भावसार, ममता भावसार, कृषि, डिंपल, सारिका और रवि ने पूरे प्रोजेक्ट को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने जून महीने और 2022 की पहली छमाही में सारे रिकॉर्ड्स तोड़े

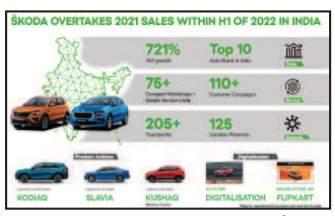

मॉनसून ने देश में दस्तआक दे दी है और स्कोडडा ऑटो इंडिया में भी रिकॉर्ड्स की बारिश हो रही है। 2018 में शुरू हुई इंडिया 2.0 की कोशिश के चलते कंपनी बिक्री के अपने ही रिकॉर्ड तोड़ रही है और महीने दर महीने नये रिकॉर्ड बना रही है। जून 2022 में 6,023 स्को डा को अपना नया घर मिला। यह मार्च 2022 में 5,608 यूनिट्स का एक दशक पुराना रिकॉर्ड तोड़ने के बाद हुआ। वर्ष-दर-वर्ष के हिसाब से जून 2022 ने जून 2021 में बिकीं 734 कारों की तुलना में 721त्न बढ़ोतरी दर्ज की। सबसे महत्व0पूर्ण, स्को डा ऑटो इंडिया ने 2021 में 23,858 यूनिट्स की वार्षिक बिक्री से ज्यानदा बिक्री 2022 की पहली छमाही में ही 28,899 यूनिट्स की बिक्री से दर्ज की है।

स्को डा ऑटो इंडिया के ब्राण्ड डायरेक्टीर ज़ैक होलिस ने कहा, "हमारे दोनों ही इंडिया 2.0 प्रोडक्ट्स बाजार में एक बेहद चुनौती वाले माहौल में आए थे। वैश्विक महामारी, बार-बार लगे लॉकडाउन, आर्थिक उथल-पुथल, भूराजनैतिक अस्थिरता और अब आपूर्ति श्रृंखला को बाधित कर रही सेमीकंडक्टयर की लगातार कमी। इसलिये यह स्कोहडा ऑटो इंडिया में हम सभी के लिये एक बेहतरीन उपलब्धि है कि हम बिक्री के रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं और नये रिकॉर्ड बना रहे हैं। यह हमारी सभी टीमों की निरंतर मेहनत का फल है। न केवल प्रोडक्ट् के मामले में, बल्कि ग्राहक संतोष, हमारे नये कस्ट मर टचपॉइंट्स की व्यारपक और गहरी पहुँच और सर्विस के लिये उपभोक्तां-केन्द्रित कैम्पेहनों तक। हमारे डीलर पार्टनर्स भी एक बड़ी भूमिका निभा रहे हैं और उन्होंतने शानदार काम किया है। हम सभी मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि 2022 भारत में हमारा 'सबसे बड़ा साल' बने।"

स्कोाडा ऑटो इंडिया 2022 के लिये अनुमानों और लक्ष्यों से आगे निकल चुकी है। पिछले महीने ही कंपनी ने अपने कस्ट2मर टचपॉइंट्स की संख्यां 205 से ज्योदा कर ली है, जो दिसंबर 2021 में 175 थे। कंपनी ने अब 2022 के लिये 250 कस्टमर टचपॉइंट्स का नया लक्ष्यै तय किया है, जो पहले 225 टचपॉइंट्स का था। कंपनी की सबसे पुरानी नेमप्लेट और निरंतर उत्पॉदन में भारत की सबसे ज्यापदा चलने वाली कारों में से एक स्कोनडा ऑक्टेखविया ने हाल ही में 1 लाख का आंकड़ा पार किया है। ऑक्टोविया और सुपर्ब जैसी सेडान अपने सेगमेंट में अग्रणी बनी हुई हैं, इस साल के लिये कोडियाक की बिक्री पूरी हो चुकी है और इंडिया 2.0 की हीरो स्लीविया और कुशाक अच्छाड प्रदर्शन कर रही हैं। इस तरह, चेक कंपनी भारत में 2 दशकों की विरासत के साथ मजबूती से आगे बढ़ रही है।

मुंबई के नानावती मैक्स अस्पताल ने वलसाड में लगाया किडनी हेल्थ कैम्प

वलसाड । किडनी से जुड़ी बीमारियों के बारे में लोगों को अवेयर करने के मकसद से मुंबई के नानावती मैक्स सुपर स्पेशयलिटी अस्पताल ने गुजरात के वलसाड में हेल्थ कैम्प का आयोजन किया. इस कैम्प के जरिए लोगों को क्रोनिक किडनी डिसीज के बारे में बताया गया और लगातार टेस्ट और चेकअप्स कितना जरूरी है, ये बताया गया।

देश के मशहूर लीडिंग नेफ्रोलॉजिस्ट डॉक्टर जतिन कोठारी ने कैम्प में आए लोगों को देखने के बाद कहा, "इस ग्रुप के लोगों को किडनी डिसीज से जुड़े लक्षणों और बीमारी के बारे में पता था और ये लोग सही जांच-पड़ताल करा रहे थे और इलाज ले रहे थे. ऐसे समय में इस तरह के हेल्थ कैम्प आयोजित कर गुर्दे से जुड़ी बीमारियों के लक्षण, अर्ली डिटेक्शन और इलाज के बारे में जागरुकता फैलाना काफी महत्वपूर्ण रहा। हम इस तरह के हेल्थ कैम्प गुजरात और देश के अन्य हिस्सों में आगे भी लगाते रहेंगे और गुर्दे से जुड़ी बीमारियों और इससे बचाव जैसे किडनी डोनेट और किडनी ट्रांसप्लांट के बारे में भी एजुकेट करते रहेंगे।"

इस हेल्थ कैम्प में 70 से ज्यादा लोग शामिल हुए जिसमें बच्चे, मिडिल एज और बुजुर्ग सभी तरह के लोग थे. कैम्प में 5 से 84 साल की उम्र के लोग पहुंचे जिनके ब्लड शुगर, सीरम क्रीएटिनीन और स्टीन यूरिन टेस्ट फ्री में किए गए. साथ ही टेस्ट रिपोर्ट के आधार पर डॉक्टर्स ने इन लोगों को सलाह दी और बचाव के तरीके भी बताए।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)